दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः- 345
मुरादाबाद
10 April 2025
(Thursday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी जैन दर्शन पर बोले- भारत की पहचान बनाने में जैन धर्म की अहम भूमिका रही है

- जैन समुदाय के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बताया भारत पर जैन धर्म का प्रभाव।
- पीएम मोदी ने नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम में कहा- नए संसद भवन में जैन धर्म का प्रभाव।
- लोकसभा के प्रवेश द्वार पर ऑस्ट्रेलिया से वापस लाई गई तीर्थंकर की प्रतिमा।
- भारत की पहचान बनाने में जैन धर्म की अहम भूमिका।

पीएम मोदी ने कहा- संसद भवन में जैन धर्म का प्रभाव देखा जा सकता है...लोकसभा के प्रवेश द्वार पर तीर्थंकर की प्रतिमा है। यह प्रतिमा ऑस्ट्रेलिया से वापस लाई गई है...दक्षिणी भवन की दीवारों पर सभी 24 तीर्थंकरों को देखा जा सकता है। भारत में जैन धर्म की अतुल्य भूमिका, सरकार ज्ञान भारतम मिशन शुरू करेगी पीएम मोदी ने विश्व कल्याण का जिक्र करते हुए जैन धर्म के दर्शनों के अलग-अलग पहलुओं का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, जैन धर्म जितना वैज्ञानिक है, उतना ही संवेदनशील भी। युद्ध, आतंकवाद और पर्यावरण की चुनौतियों का हल भी इसके मूल सिद्धांतों में समाहित है। भारत की पहचान में जैन धर्म की अतुल्य भूमिका को रेखांकित करने के अलावा प्रधानमंत्री ने सरकार की तरफ से होने वाले प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, %हम ज्ञान भारतम मिशन शुरू करने जा रहे हैं। इसके तहत हमारा संकल्प प्राचीन धरोहरों को डिजिटल करके प्राचीनता को आधुनिकता से जोड़ने का है।

परिसर में सभी 24 तीर्थंकरों की प्रतिमा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत की पहचान को सशक्त बनाने में जैन धर्म की भूमिका अमूल्य रही है। इस अनमोल विरासत को सहेजने को लेकर हमारी प्रतिबद्धता हमारे लोकतंत्र के मंदिर नई संसद में भी हर ओर दिखाई देती है। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित नवकार महामंत्र दिवस कार्यक्रम की अहमियत को रेखांकित किया और कहा, इसके माध्यम से शांति, आध्यात्मिक जागृति और सार्वभौमिक सद्भाव को बढ़ावा देने का सौभाग्य मिला। बकौल पीएम मोदी, हमारी नई पीढ़ी को नई दिशा मिले और समाज में शांति, सद्भाव और करुणा बढ़े, इसके लिए हमें इन 9 संकल्पों को अपने जीवन में अपनाना होगा। उन्होंने पर्यावरण से जुड़ी चुनौतियों से निपटने का आह्वान करते हुए कहा कि टिकाऊ जीवनशैली ही एकमात्र उपाय है।

संसद में दिखती है जैन धर्म की अहमियत जैन धर्म से जुड़े प्रतीकों का देश की संसद में उपयोग किए जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा, लोकतंत्र के मंदिर नए

संक्षिप्त समाचार

जिम्मेदारी न निभाने वाले हों रिटायर, मदद न करने वाले आराम करें, कांग्रेस नेताओं को खरगे का कड़ा संदेश

अहमदाबाद में साबरमती के तट पर कांग्रेस पार्टी की अहम बैठकें आयोजित की गई है। वहीं इस बैठक के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। मल्लिकार्जुन खरगे ने साफ कहा कि, वे सभी नेता जो पार्टी की तरफ से दी गई जिम्मेदारी नहीं निभाते हैं वे रिटायर हो जाएं और जो पार्टी के काम में मदद नहीं कर सकते, वो आराम करें।अहमदाबाद में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी नेताओं को तीखा संदेश देते हुए कहा कि जो लोग पार्टी के काम में मदद नहीं करते हैं, उन्हें आराम करने की जरूरत है, जबकि जो लोग अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाते हैं, उन्हें सेवानिवृत्त हो जाना चाहिए। साबरमती नदी के तट पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अधिवेशन में अपने अध्यक्षीय भाषण में खरगे ने इस बात पर भी जोर दिया कि संगठन में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की भूमिका को काफी बढ़ाया जाएगा और उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की तरफ से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जाएगी। संगठन के निर्माण में जिला अध्यक्षों की अहम भूमिका% उन्होंने कहा, %संगठन के निर्माण में जिला अध्यक्षों की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है। इसलिए उनकी नियुक्ति अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देशों के अनुसार सख्ती और निष्पक्षता से की जानी चाहिए।

कांग्रेस अधिवेशनः राहुल गांधी ने उठाया जाति जनगणना का मुद्दा, वक्फ कानून को बताया संविधान पर आक्रमण

गुजरात के अहमदाबाद में दो दिवसीय कांग्रेस अधिवेशन का आज दूसरा दिन है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आज अधिवेशन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जाति जनगणना और वक्फ कानून को लेकर अपनी बात रखी और भाजपा और संघ पर जमकर निशाना साधा। गुजरात के अहमदाबाद में कांग्रेस का 84वां दो दिवसीय अधिवेशन चल रहा है। मंगलवार को पहले दिन कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक चार घंटे चली। आज आखिरी दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने एक बार फिर से जाति जनगणना को लेकर आवाज उठाई है। राहुल गांधी ने फिर उठाया जाति जनगणना का मामला राहुल गांधी ने कहा कि, तेलंगाना में हमने एक क्रांतिकारी कदम उठाया है। हमने जाति जनगणना करायी है। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ महीने पहले, मैंने संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा था कि हमें देश में जाति जनगणना करवानी चाहिए... मैं जानना चाहता था कि इस देश में किसकी कितनी हिस्सेदारी है और क्या यह देश सही मायने में आदिवासी, दलित और पिछड़े समुदायों का सम्मान करता है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस ने जाति जनगणना से साफ इनकार कर दिया क्योंकि वे नहीं चाहते कि इस देश में अल्पसंख्यकों को कितनी हिस्सेदारी मिलती है, यह पता चले। मैंने उनसे कहा कि हम संसद में आपके सामने ही जाति जनगणना कानून पारित करेंगे।राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में, राज्यसभा में हम कानून पास करेंगे। जाति जनगणना यहीं से निकालेंगे। मैं जानता हूं कि जो तेलंगाना की हालत है, वह हर प्रदेश की है। तेलंगाना में 90 फीसदी आबादी, ओबीसी, दलित, अल्पसंख्यक है। तेलंगाना में मालिकों की लिस्ट, सीईओ की लिस्ट, सीनियर मैनेजमेंट की लिस्ट में इस 90 फीसदी में से नहीं मिलेगा। राहुल ने कहा, तेलंगाना में सारे गिग वर्कर्स दलित, ओबीसी या आदिवासी हैं। तेलंगाना में जाति जनगणना में नया उदाहरण दिया है। तेलंगाना में हम सचमुच में विकास का काम कर सकते हैं। वहां हम हर सेक्टर में आपको बता सकते हैं। मैं खुश हूं कि जाति जनगणना होने के बाद हमारे सीएम और टीम ने ओबीसी रिजर्वेशन को 42ब तक पहुंचा दिया। जब दलित, ओबीसी, अल्पसंख्यक की भागीदारी की बात आती है तो भाजपा के लोग चुप हो जाते हैं। जो हमने तेलंगाना में किया है, वह हम पूरे देश में करने जा रहे हैं। भाजपा ने इसे रद्द कर दिया है। राहल ने उठाया अग्निवीर का मुद्दा-अग्निवीर के मुद्दे पर राहुल ने कहा कि आज हमारी सरकार युवाओं को कहती है कि आप युद्ध में शहीद होंगे, आप अग्निवीर हो तो हम आपको न शहीद का दर्जा देंगे और न ही पेंशन। आपके साथ जो लड़ रहा है, उसे मिलेगा, आपको नहीं। दलित, पिछड़ा, अति-पिछड़ा को नुकसान हो रहा है। वहीं हाल में बांग्लादेश की अतंरिम सरकार के सलाहकार मोहम्मद युनुस और पीएम मोदी की मुलाकात को लेकर राहुल गांधी ने जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश भारत के खिलाफ बयान दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री वहां के नेता से मिले। उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला। कहां गई 56 इंच की छाती। मैं संजय हूं, लेकिन महाभारत का संजय नहीं... एमपीसी की बैठक के बाद क्यों बोले आरबीआई गवर्नर? ट्रंप के टैरिफ पर बोले राहुल अमेरिकी टैरिफ के मुद्दे पर राहुल ने कहा, पहले मोदी अमेरिका जाते थे। राष्ट्रपति ट्रंप के गले मिलते थे। अब आपने ट्रंप से गले मिलने वाली फोटो देखी। ट्रंप ने नए टैरिफ लगा दिए। मोदी जी की चूं तक नहीं निकली। जनता का ध्यान वहां न जाए, संसद में ड्रामा करवाया। सच ये है कि आर्थिक तूफान आने वाला है। कोरोना में मोदी जी ने थाली बजवाई थी। अब कहां छिप गए हैं? राहुल के निशाने पर संघ और भाजपाराहुल गांधी ने भाजपा और संघ पर निशाना साधते हुए कहा कि, वे संस्थाओं पर आक्रमण कर रहे हैं। अदाणी-अंबानी को देश का पूरा धन दिया जा रहा है। संविधान में कहीं नहीं लिखा कि देश का पूरा धन दो-तीन लोगों के हाथ में होना चाहिए। संविधान में कहीं नहीं लिखा कि देश के सभी वाइस चांसलर आरएसएस के होना चाहिए। संविधान में कहीं नहीं लिखा कि देश में कोई खास भाषा ही पढ़ाई जाएगी। जिस पार्टी के पास विचारधारा, स्पष्टता नहीं है, वो भाजपा और आरएसएस के सामने खड़ी नहीं हो सकती। जिसके पास विचारधारा है, वही भाजपा और आरएसएस के सामने खड़ी हो सकती है, वही उन्हें हराएगी। राहुल गांधी ने कहा कि हम अंग्रेज और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ लड़े थे। इनकी विचारधारा स्वतंत्रता संग्राम की विचारधारा नहीं है। जिस दिन संविधान लिखा गया था, उस दिन संघ ने रामलीला मैदान में संविधान को जलाया था। इसमें लिखा है कि हमारे देश का झंडा तिरंगा होगा। सालों तक आरएसएस ने तिरंगे को सैल्यूट नहीं किया। वे हिंदुस्तान की सारी संस्थाओं कब्जा करके आपका पैसा अदाणी-अंबानी को देना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री योगी से मिले प्रभु देवा सहित निर्माता डॉ. मोहन बाबू, शिष्टाचार भेंट की

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को उनके सरकारी आवास पर फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू, फिल्म कलाकार विष्णु मांचू, प्रभु देवा और विनय माहेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की। फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू और प्रभु देवा सहित फिल्म व्यवसाय से जुड़े कई लोगों ने लखनऊ स्थित मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। ये एक शिष्टाचार भेंट थी। सीएम से मुलाकात करने वालों में फिल्म कन्नप्पा के निर्माता डॉ. एम मोहन बाबू, फिल्म कलाकार विष्णु मांचू, प्रभु देवा और विनय माहेश्वरी ने शिष्टाचार भेंट की।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारियों का विरोध प्रदर्शन, सड़कों पर उतरे, कामकाज ठप

बिजली के निजीकरण के विरोध में लखनऊ सहित कई जिलों में प्रदर्शन किए जा रहे हैं। बुधवार को कर्मचारियों ने लखनऊ में प्रदर्शन किया। इससे कई जिलों में कार्यालय बंद रहे और कामकाज ठप हो गया।पावर कारपोरेशन के पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्काम के निजीकरण के लखनऊ में फील्ड हॉस्टल में धरना देकर प्रदर्शन किया। यह कर्मचारी फील्ड प्रबंधन से निजीकरण को निरस्त करने की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे। शैलेंद्र दुबे ने बताया कि इस रैली में प्रदेश भर से अभियंता और कर्मचारी लखनऊ करने आए हैं। कर्मचारियों के इस प्रदर्शन को संबोधित करने के लिए कई प्रदेशों से इस कार्रवाई पर बहुत नाराजगी जताते हुए पूर्वांचल और दक्षिणांचल डिस्काउंट को तरफ प्रशासन ने भी प्रदर्शनकारी बिजली कर्मियों को शक्ति भवन तक न पहुंचने के किया है। इससे अंदेशा है की रैली निकलने के दौरान दोनों के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। कामकाज ठप = बिजली कर्मियों की रैली के चलते बुधवार को लखनऊ समेत प्रदेश के अधिकतर कार्यालय और उपकेद्रों पर विभागीय कामकाज पूरी तरह ठप है। इसकी वजह लाइन पर काम करने वाले कर्मचारियों से लेकर कार्यालय के अभियंता सभी रैली में शिरकत करने पहुंचे हैं।

विरोध में बुधवार प्रदेश भर से आए बिजली कर्मियों ने हॉस्टल से शक्ति भवन तक रैली निकालकर पावर कॉरपोरेशन विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के मीडिया संयोजक में निजीकरण का विरोध करके उसके प्रस्ताव को निरस्त बिजली कर्मी नेता भी आए, जिन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की कॉर्पोरेशन की अधीन रखने की आवाज उठाई।उधर दूसरी लिए जगह-जगह वेरीकटिंग करके काफी फोर्स को मुस्तैद

संपादकीय Editorial

No recession in India

US President Trump's tariff war has caused chaos and uproar in the countries of the world. Stock markets are falling down. India's listed companies have lost more than 14 lakh crore rupees in a single day. It is estimated that 50-60 lakh crore rupees of the Indian market have been lost in this session itself. Apart from India, investments have also been wiped out in countries like China, Japan, South Korea, Hong Kong, Taiwan etc., so investors are trying here and there to save their remaining money. About 50 countries have offered to talk to President Trump, but America has not given any concrete answer yet. However, after the tariff war, the market cap of American companies has also decreased by about 516 lakh crore rupees (about 6 trillion dollars). This amount is about one and a half times more than the Indian GDP. Since America is the world's largest economy, it is possible that it will compensate for this loss soon! The situation has become such that the possibility of economic recession in America itself has increased from 35 percent to 45 percent. However, a huge crowd has come out on the streets in America. People are strongly opposing President Trump's tariff as well as other policies. Billionaire American Elon Musk is also the target of the mob. His Tesla cars are being burnt. Trump has become the President of America for the second time in January 2025. Everyone is surprised to see the decline in his popularity so quickly. Perhaps this has not happened in the context of any American President! Of course, the tariff war will have an impact on the entire world, so Europe and NATO countries, which are considered America's friends, are also mobilizing against President Trump. President Trump has also attacked international bodies like the United Nations and the World Trade Organization and is hell-bent on destroying the concept and system of globalization. As a result, the world's established supply chain will also be broken, so new trade equations will be formed and new supply chains may also be established. However, exports will be less. Demand will be less. There will be chances of recession. Governments should be prepared. If countries impose tariffs only on America and levy the same tariffs on other countries as before, then the results will be different. At present, the Indian government seems silent and relaxed on America's tariff attack. The Union Commerce Ministry wants to analyze the all-round effects of the tariff war for the next 6 weeks. Of course, India's business and economy will also be affected, but it is wrong to talk about economic recession or spread false propaganda. The domestic market, demand and consumption in India is vast. We are not dependent on exports to America, because India is not a big exporting country. The share of goods exports in our GDP is only 10 percent. Only 2% of GDP will be affected by America's tariff policy. India is primarily a 'service economy'. The share of the service sector in GDP is about 65%. The tariff on the service exports to America has not been increased, so it will remain almost free from this 'trade war'. India is an economy based on domestic demand, so we did not feel the food crisis even during the Corona pandemic. There is still a possibility that big foreign investors may return to India in view of the possibility of tariff war between America and China. However, even if there are no chances of recession, our automobile, information technology, metal, pharma and energy infrastructure sectors have seen a decline due to trade fear and low international demand. India should impose 'counter-tariff'.

Laws mocking secularism, today nobody talks about secularism

It is pathetic to see that when all kinds of discrimination should end, some laws and laws have become a means of discrimination. The ill-effects of laws discriminating between different communities have been that secularism has become a despised word today. Today even those parties who used to call themselves secular do not talk about secularism. It is not a new thing that now every important law passed by the Parliament is being challenged in the Supreme Court. No one is surprised that even before the Wakf Amendment Bill became a law, announcements of challenging it in the Supreme Court started. As soon as this bill passed by the Parliament became a law, petitions were filed against it in the Supreme Court. It will not be a big deal if the number of these petitions reaches dozens in the coming days, because there is a competition among the opposition parties along with Muslim organizations to show that they do not like the new Wakf law. There is no problem in examining the constitutionality of the new Waqf law in the Supreme Court. Whatever be the decision in the Supreme Court, it is difficult to say that this amended law passes the test of secularism, because in any truly secular country there should be no place for any law which is made in the name of religion. The new Waqf law can be called secular only when similar laws are made for other religions as well. This is not the case in the so-called secular India. There is no law like the Waqf law for other religions and even for the remaining minority groups. The Waqf boards which are under the Waqf law also have a Waqf Tribunal. There are many types of tribunals in the country, but there is no tribunal like the Waqf boards. In a truly secular country either such a tribunal should be there for the properties of all communities which are used for religious and charitable purposes or no one should have it. Why should there be a compulsion to first take a dispute related to property used for religious or charitable purposes of a community to a tribunal? It is not that India became secular when Indira Gandhi got the words secular and socialist attached to the preamble of the constitution during the emergency to show that the Congress was committed to secularism. India was secular in nature even thousands of years ago. That is why our constitution makers made a constitution of this nature. The problem was that secularism was interpreted as per one's will and it was made a means of vote bank politics. The result was that instead of bringing a bill for a uniform civil code, the Hindu code bill was brought. Through this bill, laws related to marriage, inheritance, divorce, adoption of Hindus were made. This was absolutely right, but no one knows why other communities were left out? During this time, another law was also made regarding waqf properties. This was amended by the Parliament last week. In the decade after independence, the law made by the British, under which temples were managed by the state governments, was retained with some changes. When other communities have the right to manage their religious places, why not Hindus? It is understandable that the government should make rules and regulations for managing religious places, but in the name of this, it should not take control of them. It is difficult to understand why two different laws have been made for the management of religious places of the majority and the minority in the same country? An example of how the process of making such laws that make a mockery of secularism continued is the Right to Education Act. It was made with the noble intention of providing free education to children of six to 14 years of age belonging to the poor class. By excluding the educational institutions of minorities from this law, not only was a good law made discriminatory, but secularism was also ridiculed. After all, why should schools run by minorities be exempted from providing free education to poor children? It is difficult to justify this discrimination in public welfare. The irony is that when this anomaly in the Right to Education Act was challenged in the Supreme Court, it did not notice it. It justified keeping minority schools out of the Right to Education Act. It is clear that not only many laws made by the Parliament, but some decisions of the Supreme Court also put a question mark on secularism. It is pathetic to see that when all kinds of discrimination should end, some rules and laws have become a means of discrimination. The ill effect of laws discriminating between different communities has been that secularism has become a despised word today. Today, even those parties do not talk about secularism, which used to call themselves secular. Undoubtedly secularism is not a bad concept, but it definitely becomes bad when different laws are made for different communities in the same country in its name. If there is no attempt to make the country truly secular, then secularism will be further defamed and this will not be good.

Tariff is not an economic but a political gamble, there is no difference between Trump's words and actions

Along with imposing a relatively low tariff of 26 percent on India, concessions have been given to sectors like pharma. In the new circumstances, new export opportunities are being created for India in sectors like textiles, electronics and machinery. To capitalize on these opportunities, India will have to strengthen its capabilities by increasing investment in infrastructure, logistics, research and development, and also speed up pending reforms like land and labor. US President Donald Trump's tariff policy has further destabilized the global economy. Since America is the world's largest economy and the largest buyer, it will affect all the countries selling goods to it. In this, even the European countries considered close to America were not spared, while rival China has also been hit by tariffs. Trump's move is being called the most dramatic development on the global economic scene after the end of the Second World War. America has been the architect of the modern global trade system, but through the latest initiative, it is bent on ruining this system. The tariff policy may appear to be related to economic matters, but its actual roots are in politics. During the presidential election campaign itself, Trump had made it an issue by saying that the global trade system has become unbalanced, in which the scales are tilted in favor of the countries selling goods to America. He repeatedly said that America and American citizens are being exploited in the current trade scenario and he will change this system after coming to power. The tariff policy is a part of this agenda. About 60 trading partners have been targeted by the White House in this matter. In this, many trading partners like the European Union and China have been accused of adopting unfair policies. Terming the tariff policy as a 'declaration of economic freedom', Trump claimed that such a tariff policy had become inevitable due to high tariffs and other trade barriers by various countries. Declaring the situation a national emergency, Trump said that the tariff policy was a part of the Make America Great Again-MAGA campaign and that it was necessary to do so because of the 'looting' done with America by both friend and foe countries for the last five decades. 'Tariff is a purely political agenda of Trump. Imposing tariff on many such island countries which have negligible trade with America is an indication that he wants to send a message to his voters that there is no difference between his words and actions. Trump had indicated this at the beginning of his second term when he announced tariff on neighboring countries like Mexico and Canada. Although they were given some relief for the time being because pressure had already been built on them, but Trump did not give any concession to anyone except them. A 10 percent tariff has been imposed on traditional partners like Britain, 24 percent on Japan and 20 percent on the European Union. A 34 percent tariff was imposed on China. In return, China did the same, so Trump is now threatening that if China does not remove this tariff, he will impose a tariff of more than 50 percent on it. It is no secret that China is now considered the main rival in America and former President Biden also took some steps to curb China, but China circumvented the US sanctions and set up its manufacturing units in countries like Vietnam and Cambodia. In view of this, Trump has been most strict about tariffs on these countries. Being the world's largest exporting country, China's irritation over the tariff policy can be easily understood. China, apprehensive of such a policy, has also started efforts to deal with it. Under this, some time ago it also tried to woo India by saying that both countries can achieve a lot with joint efforts. China, which generally makes fun of the global established structure and laws, is also appealing to the US to withdraw such unilateral decision by appealing to the global system in the matter of tariff. From the point of view of economic logic, tariffs are not going to benefit anyone. Perhaps the Trump administration also understands this. That is why it has said that the tariffs will not be withdrawn, but the concerned countries can try to find a solution by talking to the US. Sooner or later, America itself may have to bear the brunt of it. Due to this, along with rising inflation in America, there is a threat of recession. If the US economy slows down, it will affect the whole world. Signs of this have also started coming from the huge fall in the stock markets. The supply chain established by some of the world's leading companies may collapse due to this. Its indirect effect can be seen in the form of a tilt towards China. Undoubtedly, the tariff policy will affect India's exports to America. America is one of those countries with which India benefits from trade. Therefore, the tariff policy will definitely make some dent in this benefit. However, there is an opportunity for India even in this disaster, because much higher tariffs have been imposed on its competing exporting countries like China, Vietnam, Thailand and Bangladesh. Along with imposing a relatively low tariff of 26 percent on India, concessions have been given to sectors like pharma. Sectors like textiles, electronics and machinery are important for India in the new circumstances.

जनपद के 36 ग्राम प्रधानों को टी0बी0 मुक्त ग्राम पंचायत होने पर जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

आज कलेक्ट्रेट सभागार में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत टी0बी0मुक्त पंचायत 2025 के तहत जनपद में 36 ग्राम पंचायतों को टी0बी 0 मुक्त होने पर संबंधित ग्राम प्रधानों को टी0बी0 मुक्त ग्राम पंचायत का प्रमाण पत्र एवं गांधी जी की प्रतिमा प्रदान कर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने उपस्थित ग्राम प्रधानों को ग्राम पंचायतें टी बी मुक्त होने पर शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम प्रधान अपने आस-पास की ग्राम पंचायतों को भी छय रोग से मुक्त होने के लिए प्रेरित करें और ज्यादा से ज्यादा लोगों को जागरुक करें। उन्होंने कहा कि छय रोग से मुक्त होने में शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता का अच्छा होना बहुत जरुरी है, इसके लिए अच्छा खान-पान, प्रोटीनयुक्त भोजन बहुत जरुरी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पोषणयुक्त भोजन बच्चों को भी कराया जाये। लोगों को ज्यादा से ज्यादा जागरुक करने की आवश्यकता है। उन्होंने ग्राम प्रधानों से अपनी ग्राम पंचायत को स्वस्थ ग्राम पंचायत बनाने का आवाहन करते हुए कहा कि गांव के अंदर स्वच्छता के साथ साथ गांव के प्रवेश रास्तों की स्वच्छता को भी सुनिश्चित किया जाए। गांव में नियमित एंटी करवा स्प्रे का छिड़काव कराया जाए।इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित ग्राम प्रधानों से अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों को साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने की अपील की और कहा कि हम सभी को अपने दायित्वों को समझने की आवश्यकता है, सभी ग्राम प्रधान ग्रामों में स्वच्छता का एक मॉडल विकसित करने की कोशिश करें। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कुलदीप सिंह ने

कहा कि टीबी मुक्त ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान की महत्वपूर्ण भूमिका है ।उन्होंने कहा कि जब भी किसी व्यक्ति को दो हफ्ते से अधिक की खांसी, बलगम, बलगम में खून आना, भूख कम लगना, वजन कम आना, सोते समय पसीना आना, शरीर के किसी भी अंग में गांठ होना जैसे लक्षण देखे तो उसको तुरंत टीबी की जांच करानी चाहिए । टी बी की जांच और उपचार किसी भी सरकारी अस्पताल में निशुल्क है और रोगी को पौष्टिक आहार के लिए बैंक खाते में ?1000 प्रतिमाह प्रदान किए जाते हैं।कलेक्ट्रेट सभागार में सम्मानित किए गये ग्राम प्रधानों में ग्राम पंचायत अवनपुर के श्री मानसिहं, बाकीपुर जटनी श्रीमती अफसरी, ग्राम पंचायत सुनारी की श्रीमती तन्वी यादव, ग्राम पंचायत असदपुर की श्रीमती साईस्ता, ग्राम पंचायत मनकुआ के श्री सत्यपाल सिंह, ग्राम मानपुर मुजफ्फरपुर के श्री अहमद अली, ग्राम महेन्द्री सिकन्दरपुर के श्री देवेन्द्र, ग्राम पंचायत राना नगला की श्रीमती प्रकाशवती, ग्राम पंचायत संदलीपुर के श्रीमती मनोज कुमार, ग्राम पंचायत जगरम्पुरा कीश्रीमती पूजा, ग्राम पंचायत सीकमपुर पाण्डेय की श्रीमती मुजस्सिम, ग्राम पंचायत महेशपुर खेम के श्री रेशम अली, ग्राम पंचायत चक लोहरा की श्रीमती निखत परवीन, ग्राम पंचायत विजयरामपुर की श्रीमती सरिता, ग्राम पंचायत दारापुर की श्रीमती रेखा, ग्राम पंचायत राजपुर कला के श्री सोनू कुमार, ग्राम पंचायत करना वाला जब्दी की श्रीमती केला देवी, ग्राम पंचायत नन्हूंवाला के श्री शमशाद, ग्राम पंचायत मलपुरा लक्ष्मीपुर की श्रीमती शमां परवीन, ग्राम पंचायत करना वाला खालसा के श्री सूरज वंसत, ग्राम पंचायत किशनुपर गांवडी के श्री राम अवतार सिंह, ग्राम पंचायत भरतावाला की श्रीमती जगवती देवी, ग्राम पंचायत बुद्धनगर की श्रीमती विवेका देवी, ग्राम पंचायत पट्टी चैहान के श्री वेदप्रकाश चैहान, ग्राम पंचायत असालतपुर के श्री आशीष चैधरी, ग्राम पंचायत मुनीमपुर की श्रीमती ममता कुमारी, ग्राम पंचायत लालपुर गुसाई की श्रीमती ऊषा देवी, ग्राम पंचायत पाडला की श्रीमती प्रगति त्यागी, ग्राम पंचायत बाहपुर के श्री नरेश कुमार, ग्राम पंचायत गिन्नौर दे माफी की श्रीमती मालती देवी, ग्राम पंचायत गिन्दौडा की रजनी, ग्राम पंचायत सुमालखेडा की श्रीमती नाजरीन, ग्राम पंचायत कूरी की श्रीमती शीतल देवी, ग्राम पंचायत ज्योडरा श्री नितिन कुमार, ग्राम पंचायत नियामतपुर की श्रीमती रीना, ग्राम पंचायत खानपुर के श्री भूरे यादव ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 कुलदीप सिंह, जिला विकास अधिकारी श्री जी0बी0 पाठक, जिला पंचायती राज अधिकारी श्री वाचस्पति झा, डॉ प्रवीन श्रीवास्तव जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ संजीव बेलवाल उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी,डॉ जावेद डीपीसी, श्री नरेश राणा, डॉ जगवीर सिंह स्टलस ,श्री मनोज पीपीम सहित समस्त ब्लॉक से आये एस टी एस एवम संबंधित अधिकारीगण व ग्राम प्रधान उपस्थित रहें।

मुरादाबाद हत्याकांड: सीसीटीवी फुटेज और कॉल डिटेल की मांगी डिटेल, महिला के शामिल होने का शक

उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में एक कर्मचारी को जहर देकर हत्या का मामला सामने आया है। इस हत्या के मामले में पुलिस जांच में जुट गई है। मृतक दीपक, आरोपी फर्म मालिक, मैनेजर व अन्य आरोपियों के मोबाइल की कॉल डिटेल निकाली जा रही है। कटघर सिंह (27) की जहर देकर हत्या के मामले में पुलिस जांच ही पुलिस ने मृतक दीपक, आरोपी फर्म मालिक, मैनेजर व कि घटना के समय आरोपी की लोकेशन कहां थी। दीपक के ही मामले में संदिग्ध महिला से पूछताछ कर सकती है। स्टोर भाई विवेक कुमार, मां इंद्रवती और दो बहन पूजा व मधु हैं। दीपक फर्म में मौजूद था। मामले में दीपक की पत्नी ने फर्म खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है। जिसमें आरोप लगाया विरोध करने पर उनका उत्पीड़न भी किया गया था। इसी मामले की जांच की। फर्म के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज है। इसके बाद वह स्टोर रूम की ओर चला जाता है। पुलिस आरोपियों के मोबाइल की सीडीआर भी निकलवाई है। उन्होंने किस-किस से बात की थी। इसके अलावा मामले में

थानाक्षेत्र में गोट रोड स्थित आरएच इंटरनेशनल निर्यात फर्म में कर्मचारी दीपक में जुटी है। मंगलवार को पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली है। साथ अन्य आरोपियों के मोबाइल की कॉल डिटेल मंगवाई है। जिससे पता चल सकेगा परिवार ने घटना में एक महिला के शामिल होने का शक जताया है। पुलिस जल्द रूम में कार्यरत थे। दीपक के परिवार में पत्नी शीतल, दो बेटियां अनवी व नित्या, पिता राकेश सिंह की नौ साल पहले मौत हो चुकी है। सोमवार सुबह दस बजे मालिक तस्लीम हुसैन, मैनेजर मंजर आलम, अब्दुल्ला आलम समेत चार लोगों के है कि फर्म मालिक और मैनेजर उसके पति को फर्म से निकालना चाहते थे। रंजिश में जहर पिलाकर उसके पति की हत्या की गई है। पुलिस ने फर्म पहुंचकर खंगाली। गेट पर लगे कैमरे में देखा कि दीपक करीब नौ बजे फर्म में एंट्री करता ने फुटेज कब्जे में ले लिए है। पुलिस ने दीपक, फर्म मालिक, मैनेजर समेत अन्य जिससे पता चल सकेगा कि आरोपियों के मोबाइल की लोकेशन कहां थी और दीपक के परिवार की ओर से एक महिला पर भी शक जताया गया है। पुलिस जल्द महिला से भी पूछताछ कर सकती है। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुरादाबाद जिलाधिकारी ने की डूडा मुरादाबाद के कार्यों की समीक्षा

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने जिला नगरीय विकास अभिकरण मुरादाबाद द्वारा संचालित योजनाओं में प्रगति की समीक्षा की। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में विस्तार एवं निर्माण संबंधी प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पी0ओ0 डूडा को योजना के अंतर्गत जल्द से जल्द सत्यापन कराकर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के अन्तर्गत फीडिंग कार्य ससमय कराने के निर्देश दिए। बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द्र, सम्बन्धित नगर पंचायतों/पालिकाओं के अध्यक्षगण ,पी0ओ0 डूडा श्रीमती अनामिका सक्सेना, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत/ नगर पालिका एवं अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/ मुख्य कार्यपालक अधिकारी जिला प्रबन्धन प्राधिकरण मुरादाबाद ममता मालवीय ने बताया कि आगामी दिवसों में सम्भावित पारा 43 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने के कारण भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू के प्रकोप से बचाव हेतु संबंधित विभागों को जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिये गये है कि इस भीषण गर्मी, गर्म हवा व लू से अपना बचाव कैसे करे तथा सुरक्षित कैसे रहें। गर्म हवाओं से बचने के लिए खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एलुमिनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढककर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। उन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती है, काले परदे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुने और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सजग रहे। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण ले। बच्चों तथा पालतू जानवरों को कभी भी बन्द वाहन में अकेला न छोडे। जहां तक सम्भव हो घर में ही रहे तथा सूर्य के ताप से बचे। सूर्य के ताप से बचने के लिए जहा तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहे। संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें और बासी खाने का प्रयोग कदापि न करे और मादक पेय पदार्थों का सेवन न करें। घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढककर रखें। घर में पेय पदार्थ जैसे लस्सी, छांछ, मट्ठा, बेल का शर्वत, नमक चीनी का घोल, नीबू पानी या आम का पना इत्यादि का प्रयोग करें। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार मार्च से जून के मध्य/अधिक तापमान रहने की संभावना है। ऐसे में लोगों को हीटवेब से बचाव के लिए आवश्यक तैयारियां कर लेनी चाहिए। हीटवेब से बचाव को लेकर जनसामान्य के बीच जागरूता अभियान स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाया जा रहा है। जब वातावरण का तापमाप 37 डिग्री सेल्सियस से 3-4 डिग्री अधिक पहुंच जाता है तो उसे हीटवेब या लू कहते हैं। अभी आगे गर्मी का प्रकोप और बढ़ेगा इसलिए गर्मी से बचाव के लिए विभिन्न उपायों को अपनाना चाहिए। कब लगती है लू गर्मी में शरीर के द्रव्य बोंडी फ्ल्यूड सूखने लगते हैं। शरीर में पानी, नमक की कमी होने पर जू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। शराब की लत, हृदय रोग, पुरानी बीमारी, मोटापा, पार्किंसस रोग, अधिक उम्र, अनियंत्रित मधुमेह वाले व्यक्तियों को लू से विशेष बवाव करने की जरूरत है। इसके अलावा डॉययूरेटिक एंटीस्टिमिनक, मानसिक रोग औषधि का उपयोग करने वाले व्यक्ति भी लू से सावधान रहे। लक्षण गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना, तेज पल्स होना, उल्टे श्वास गति में तेजी, व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिति, सिरदर्द, मिचली, थकान और कमजोरी का होना या चक्कर आना, मूत्र न होना अथवा इसमें कमी आदि मुख्य लक्षण है। इन लक्षणों के चलते मनुष्यों के शरीर के उच्च तापमान से आंतरिक अंगो विशेष रूप से मस्तिष्क को नुकसान पहुंचता है। इससे शरीर में उच्च रक्तचाप उत्पन्न हो जाता है। जनपद में हीटवेव (लू) के प्रति जोखिम (कमजोर वर्ग एवं क्षेत्र की पहचान) 05 वर्ष से कम आयु के बच्चे व 65 वर्ष से ज्यादा के व्यक्ति। गर्भवती महिलायें। ऐसे व्यक्ति जोकि सेन्य, कृषि, निर्माण और औद्योगिक व्यवसाय में श्रमिक, मजदूर खिलाडी आदि हो। शारीरिक तौर पर कमजोर व्यक्ति एवं मोटापे से ग्रस्त व्यक्ति। त्वचा संबन्धित रोग जैसे-सोरायसिस, पायोडर्मा आदि से प्रभावित व्यक्ति। पर्यावरण बदलने के कारण गर्मी के अनुकूलनता का आभाव। आपदा संबंधी सहायता के लिए निम्न नम्बरो पर सम्पर्क कर सकते हैं। एम्बुलेंस 108 पुलिस-112, राहत आयुक्त कार्यालय 1070 टोल-फ्री, जिला इमरजेंसी ऑपरेशन सेन्टर मुरादाबाद कंट्रोल रूम-0537-2412728 व 9454416867 , गर्म हवाएं, लू की स्थिति में क्या करें और क्या न करें रेडियो सुनिए टीवी देखिए स्थानीय मौसम समाचार के लिए समाचार पत्र पढ़ें। पर्याप्त पानी पिये भले ही प्यास न लगे। खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), लस्सी, तोरानी (चावन का पानी), नीबू का पानी, छाछ आदि जैसे घरेलू पेय का इस्तेमाल करें। हल्के वजन, हल्के रंग के, ढीले, सूती कपड़े पहनें। अपना सिर ढके कपडे, टोपी या छतरी का उपयोग करें। हांथों को साबुन और पानी से बार-बार धोएं। अनावश्यक घर से बाहर प्रात-11.00 से सांयकाल-4.00 बजे तक न निकले बहुत ही आवश्यक होने पर चेहरे व सिर को ढककर ही निकले। नियोक्ता और श्रमिक कार्य स्थल के पास ठंडा पेयजल उपलब्ध कराए। कार्यकर्ताओं को सीधे धूप से बचने को कहे। अति पारिश्रमिक वाले कार्यों को दिन के ठंडे समय में निर्धारित करें। बाहरी गतिविधियों के लिए ब्रेक की आवृत्ति में वृद्धि करें।

संक्षिप्त समाचार

मैनाठेर में दो सहेलियों से दुष्कर्म, पुलिस ने आरोपी को दबोचा, बहलाकर ले गया था साथ

मैनाठेर इलाके में एक युवक दो युवतियों को अपने साथ ले गया। आरोप है कि उसने दोनों के साथ दुष्कर्म किया। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मैनाठेर थानाक्षेत्र से दो सहेलियों को एक युवक अपने साथ ले गया। आरोपी ने दोनों के साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मामले में आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार दोपहर बाद पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी को जेल भेज दिया गया है। मैनाठेर थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने छह अप्रैल को मैनाठेर थाने में संभल के सैफ खां सराय निवासी रबीशान उर्फ चांद के खिलाफ केस दर्ज कराया था। जिसमें बताया कि उसकी 14 वर्षीय बेटी अपनी सहेली के साथ गेहूं की फसल काटने गई थी।इसी दौरान आरोपी दोनों को बहला फुसलाकर अगवा कर ले गया है। पुलिस ने दोनों लड़कियों को बरामद कर उनका मेडिकल कराया और बयान दर्ज किए। बयानों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर केस में दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट की धाराएं बढ़ाई गईं। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि मंगलवार को आरोपी का गिरफ्तार कर लिया गया है। उसे कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया गया है।

क्रिकेटर शमी की बहन की ग्राम प्रधान सास अब राशन कार्ड मामले में भी फंसी, डीएम ने दिए जांच के आदेश

क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन की ग्राम प्रधान सास पर मनरेगा घोटाले के बाद अब फर्जी तरीके से बीपीएल राशन कार्ड बनवाने का आरोप लगा है। डीएम के निर्देश पर सीडीओ ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इसके बाद फिर से हड़कंप मचा हुआ है। क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन व बहनोई समेत परिवार के आठ लोगों के जॉब कार्ड बनवाकर मजदूरी हड़पने की आरोपी ग्राम प्रधान गुले आयशा राशन कार्ड मामले

में भी फंस गई हैं। इस पर डीएम के निर्देश पर सीडीओ ने जांच शुरू कर दी है।जिसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पलौला गांव की ग्राम प्रधान क्रिकेटर मोहम्मद शमी की बहन शबीना की सास गुले आयशा हैं। हाल ही में उनके परिवार के आठ लोगों समेत कुल 18 लोगों द्वारा फर्जी तरीके से मनरेगा मजदूरी लिए जाने का मामला सामने आया था।मामला सुर्खियों में आने के बाद केंद्र व प्रदेश सरकार ने भी रिपोर्ट तलब कर ली थी। डीएम निधि गुप्ता वत्स ने मामले की जांच परियोजना निदेशक अमरेंद्र प्रताप सिंह को सौंपी थी। जांच रिपोर्ट आने के बाद ग्राम प्रधान से कुल 8.68 लाख रुपये की रिकवरी की गई थी। साथ ही मामले में दोषी एक बीडीओ व सचिव पर विभागीय कार्रवाई तथा तीन सचिवों व एक लेखाकार समेत चार रोजगार सेवक, एपीओ, तकनीकी सहायक व कंप्यूटर ऑपरेटर के विरूद्ध मुकदमा दर्ज कराया गया था। अब ग्राम प्रधान गुले आयशा के बीपीएल कार्डधारक होने का मामला सामने आया है।उनके राशन कार्ड में कुल चार यूनिट दर्ज हैं। मामले की जानकारी होने के बाद डीएम ने इसकी जांच सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्रा को सौंप दी है। डीएसओ रीना रानी का कहना है कि मामले की विभागीय जांच भी कराई जा रहा है। प्रधान द्वारा राशन कार्ड बनवाए जाने के बाद कितना राशन लिया गया है। इसकी रिपोर्ट भी मुख्यालय से मंगाई जा रही है। जिसके बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कार्रवाई की जाएगी। सीडीओ ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बीडीओ जोया को मामले की जांच दी गई है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

वार्षिकोत्सव,विदाई समारोह एवं नये सत्र में आए छात्र-छात्राओं ने जमकर मचाया धमाल

क्यूँ न लिखूँ सच

नन्हें -मुन्ने बच्चे फूलों की बगिया-विजय कुमार सिंह खंड शिक्षा अधिकारी बिथरी चैनपुर वार्षिकोत्सव,विदाई समारोह एवं नये सत्र में आए छात्र-छात्राओं ने जमकर मचाया धमाल भंडसर। विकास खंड बिथरी चैनपुर के प्राथमिक विद्यालय बंजरिया,कम्पोजिट विद्यालय सावरखेड़ा में बुधवार को वार्षिकोत्सव, परीक्षाफल वितरण,पुस्तक वितरण विदाई समारोह का आयोजन बड़ी ही भव्यता के साथ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि हरेंद्र पटेल,जिला पंचायत सदस्य किरन पटेल, सुरेन्द्र पटेल,खंड शिक्षा अधिकारी बिथरी चैनपुर विजय कुमार सिंह,बीडीसी सदस्य अमन सक्सेना, प्रधान प्रतिनिधि शब्बीर हुसैन, पूर्व एआरपी भदपुरा धर्मेंद्र वर्मा, प्रधानाचार्य रामप्रकाश ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्र-छात्राओं ने मां सरस्वती वंदना एवं आतिथि स्वागतगान प्रस्तुत कर आगनंतुकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा नन्हें -मुन्ने बच्चों की यह फूलों जैसी बगिया है।हम सबको एक माली की भांति इसकी निराई -गुड़ाई, सिंचाई कर इन्हें बेहतर कल के लिए तैयार करना है। बच्चों ने रंगोली प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक,डान्स आदि विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर खूब बाह-बाही लूटी। कार्यक्रम का कुशल संचालन शिक्षिका कालिंदी,एवं उत्तम कुमार ने किया।इस दौरान कक्षा पांच और आठ के छात्र-छात्राओं का विदाई समारोह, परीक्षाफल वितरण, पुस्तकें वितरण एवं पुरस्कार वितरण आदि किया गया।इस दौरान कृष्ण अवतार सक्सेना, डॉ विनय कुमार, ममता वर्मा, राजपाल सिंह, सतीश चन्द्र, गिरीश कुमार, अनामिका, विनीता, रेनू सक्सेना, सत्यप्रकाश,सीमा कटियार,मीरा,पूनम सक्सेना,सरला, पूर्णिमा कौशिक, सबीना,पूजा,सामिया , शिखा शर्मा, शमशुल हसन सहित तमाम अभिभावक मौजूद रहे।

प्राथमिक विद्यालय जासपुर में धूमधाम से मनाया गया प्रवेशोत्सव, विदाई समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। विकास खंड भदपुरा के प्राथमिक विद्यालय जासपुर में बुधवार को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया।,प्रत्येक कक्षा से स्टार परफॉर्मर ,पुरातन छात्र परिषद के एक्टिव बच्चों को पुरस्कार वितरण,माता उन्मुखीकरण के अंतर्गत माताओं को स्वच्छता किट का वितरण,परीक्षाफल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया ।जिसमें मुख्य अतिथि नवाब गंज विधायक डॉ एमपी आर्या विशिष्ट अतिथि रवि गंगवार ब्लॉक प्रमुख रहे।प्रवेशोत्सव के अंतर्गत उन नवीन प्रवेशित बच्चों को ग्रेजुएशन कैप पहनाकर व पुरस्कार वितरण करके सम्मानित किया गया जिन्होंने आंगनवाड़ी से प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश लिया है।आकर्षक सेल्फी स्टैंड पर सभी ने फोटो ली।बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी।सभी प्रतिभागी बच्चों को विद्यालय की ओर से पुरस्कृत किया गया।एस आर जी अनिल चौबे ने माता उन्मुखीकरण कार्यक्रम के महत्व व इसकी कार्यप्रणाली पर प्रकाश डाला।तथा एस आर जी धर्मवीर ने कहा कि आज सरकारी विद्यालय किसी भी मायने में प्राइवेट विद्यालयों से कम नहीं हैं। कार्यक्रम के अंत में बीईओ विजय कुमार ने विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानाध्यापिका डॉ अल्पना गुप्ता ने बताया कि किसी कार्यक्रम की सफल बनाने में पूरे स्टाफ की मेहनत होती है। आयोजन में रश्मि भारती, लीलावती चौधरी, पप्पी गंगवार एवं ग्राम प्रधान कृष्ण देवी, कुंवरपाल का विशेष सहयोग रहा।मंच संचालन आशीष सिंह ने किया। पूर्व एआरपी संजीव सिंह,धर्मेंद्र वर्मा, नरेंद्र गंगवार, ठाकुर दास,राजेंद्र सिंह अरुण कुमार,राजेश कुमार,रविन्द्र सिंह,लालबहादुर पटेल,राजवीर सिंह एवं समस्त पूर्व प्रधान सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

अवैध वाहनो पर ए0आर0 टी0ओ0 द्वारा बडी कार्यवाई

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेंद्र तिवारी

बहराइच के रूपईडीहा मे पुलिस अधीक्षक राम नयन सिंह द्वारा अवैध नियंत्रण रखने के लिए यातायात पर दिये गये निर्देश के क्रम मे अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण एंव क्षेत्राधिकारी के कुशल नेतृत्व मे ऐंटी बहराइच ओमप्रकाश सिंह ने अवैध रूप से चलने वाले 6 कार सहित 8 वाहनो को सीज किया

नीलगाय वध से सम्बन्धित 04 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त चाकू, बांका मय अवशेष आदि बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेंद्र कुमार पांडेय

बहराइच/(हुजूरपुर)पुलिस अधीक्षक महोदय जनपद बहराइच द्वारा अपराध एंव अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर महोदय तथा क्षेत्राधिकारी महोदय कैसरगंज के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना हुजूरपुर महोदय के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 07.04.2025 को सायं करीब 04.00 बजे थाना क्षेत्र के ग्राम लम्बरदारपुरवा दा0 जगतापुर में सूखी नहर में एक नीलगाय कुछ अज्ञात लोगों द्वारा काट दिये जाने की सूचना जरिये मुखबिर प्राप्त हुई जिसपर हुजूरपुर पुलिस तथा वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर मौके से एक प्लास्टिक की बोरी में बंधा हुआ नीलगाय का कुछ मांस व अवशेष तथा एक बोरी में नीलगाय को पकड़ने की रस्सी तीन अदद मोटर साइकिले जिनके नं0 UPy3BBz560 HF DELUX, UPy0N8336 HF DELUX, UPy0APy384 HF DELUX बरामद हुई थी मौके से अभियुक्तगण भाग गये थे। फर्द बरामदगी के आधार पर मु0अ0सं0 92/ 25 अन्तर्गत धारा 9,51,39 वन्य जीव संरक्षण अधिनियम बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। घटना का सफल अनावरण व अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गयी, गठित पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए 24 घंटे के अंदर घटना का सफल अनावरण करते हुए 4 अभियुक्तगण को ग्राम ससना ईदगाह के पास से गिरफ्तार किया गया और उनकी निशांदेही पर नीलगाय काटने में प्रयुक्त औजार एक अदद बांका व एक अदद चाकू को बरामद किया गया । विधिक कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगणों को माननीय न्यायालय रवाना किया जा रहा है। प्रचलित है।

राज्य भाषा समीक्षा समिति द्वारा हिंदी संगोष्ठि का किया आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- राजभाषा विभाग, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर के तत्वावधान में मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय के सभाकक्ष में मण्डल राजभाषा कार्यान्वयन समिति, इज्जतनगर की वर्ष-2025 की प्रथम तिमाही की समीक्षा बैठक एवं हिन्दी संगोष्ठी का आयोजन मंडल रेल प्रबंधक सुश्री वीणा सिन्हा की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता, श्री सुरेश बाबू मिश्र, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, राजकीय इण्टर कॉलेज, बरेली ने विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि जाज्वल्यमान नक्षत्र हैं और उनका यश रूपी के दौरान उन्होंने 130 पुस्तकों की रचना की। शामिल हैं। उनकी सबसे प्रसिद्ध और लोकप्रिय इसमें उनकी बीस कहानियां शामिल हैं। यह पूरे की अनमोल धरोहर हैं । राहुल सांकृत्यायन पर प्रभाव था। उन्होंने चीन, जापान, फ्रांस, तिब्बत, किया। इसलिए उन्हें घुमक्कड़ साहित्यकार कहा उर्दू, संस्कृत, पाली, कन्नड़, अरबी, फारसी सहित नाम केदारनाथ पांडे था। इनका जन्म 9 अप्रैल, भारतीय लेखक, निबन्धकार, नाटककार, और भोजपुरी में लिखा। 'हिन्दी यात्रा साहित्य हिन्दी यात्रा वृत्तांत को साहित्यिक रूप देने में रूप से यात्रा करने वाले विद्वानों में से एक थे। वे उनके नाम के आगे सम्मानजनक शब्द महापण्डित (हिन्दी में 'महान विद्वान') लगाया जाता रहा है। भारत सरकार ने उन्हें 1963 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किया। उसी वर्ष 70 वर्ष की आयु में उनकी मृत्यु 14 अप्रैल, 1963 हो गई। मंडल रेल प्रबन्धक सुश्री वीणा सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि इस मंडल पर हिन्दी प्रयोग का अच्छा वातावरण है। अधिकांश पत्राचार हिन्दी में हो रहा है तथा टिप्पणियाँ भी हिन्दी में लिखी जा रही हैं। हिन्दी हमारी राजभाषा है। यह एक सरल और सशक्त भाषा है। मीडिया और इण्टरनेट के दौर में इसका प्रयोग-प्रसार लगातार बढ़ रहा है। हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम अच्छी हिन्दी सीखें और अपने दैनिक कार्यों में उसका प्रयोग करें। आज का दिन एक बार फिर यह संकल्प करने का दिन है कि हम अपने कार्यों में हिन्दी का शत-प्रतिशत प्रयोग करेंगे। इस आयोजन में अपर मंडल रेल प्रबन्धक श्री मनोज कुमार, 2ाखा अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे। सहायक कार्मिक अधिकारी एवं राजभाषा अधिकारी श्री बबलु ने बैठक का संचालन किया।

'हिन्दी साहित्य में राहुल सांकृत्यायन का योगदान' राहुल सांकृत्यायन हिन्दी साहित्य जगत के एक प्रकाश कभी धुंधला नहीं होगा। अपनी साहित्य यात्रा इनमें कहानी ,उपन्यास, निबंध, यात्रा वृतान्त आदि कृति 'वोल्गा से गंगा' है। यह कहानी संग्रह है और विश्व में विख्यात हुई। उनकी कृतियां हिन्दी साहित्य बौद्ध धर्म, सनातन संस्कृति और मार्क्सवाद का गहरा श्रीलंका, रूस सहित विश्व के अनेक देशों का भ्रमण जाता है। उनका व्यक्तिव बहुत विलक्षण था। उन्हें हिन्दी, 37 भाषाओं का ज्ञान था। राहुल सांकृत्यायन का वास्तविक 1893 को आजमगढ़ जिले के पंदहा गाँव में हुआ। ये इतिहासकार और बौद्ध धर्म के विद्वान थे। इन्होंने हिन्दी के जनक' के रूप में जाने जाने वाले, सांकृत्यायन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे भारत के सबसे व्यापक हमेशा हिन्दी में लिखते थे। उनके जीवनकाल से ही

82 लाख रुपये से बनेगा जिम्नास्टिक हॉल टेंडर प्रक्रिया पूरी

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिम्नास्टिक के खिलाड़ियों को जल्द ही अभ्यास करने के लिए हॉल की सौगात मिलेगी। बीडीए (बरेली विकास प्राधिकरण) की ओर से 82 लाख रुपये की लागत से हॉल के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। कार्यदायी संस्था के रूप में विपिन भाटिया कंपनी का चयन किया गया है। निर्माण पूरा होने के बाद खिलाड़ियों को अत्याधुनिक स्तर की सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। स्टेडियम में अब तक जिम्नास्टिक के लिए अलग से कोई समर्पित स्थान नहीं था। खिलाड़ी बैडमिंटन हॉल के कोने में सीमित जगह पर ही गद्दे बिछाकर अभ्यास करते थे। इससे उन्हें काफी असुविधाओं का सामना करना पड़ता था। अब जिम्नास्टिक हॉल के निर्माण के बाद गद्दे और अन्य उपकरणों को रखने के लिए खिलाड़ियों को व्यवस्थित स्थान मिलेगा। नए हॉल में उपकरणों को फिक्स कर दिया जाएगा। इससे अभ्यास भी ज्यादा प्रभावी हो सकेगा। आरएसओ जितेंद्र यादव ने बताया कि जिम्नास्टिक हॉल का निर्माण स्टेडियम परिसर स्थित वेटलिफ्टिंग हॉल और बैडमिंटन हॉल के बीच में खाली जगह पर किया जाएगा। जिम्नास्टिक के खिलाड़ियों को लंबे समय से इसकी प्रतीक्षा थी। निर्माण पूरा होने पर खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए भरपूर स्थान और पर्याप्त समय मिलेगा।

एसएसपी ने मूल्यांकन में किया पांच चौकी प्रभारियों को पुरस्कृत

क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली- पुलिस कप्तान की कसौटी पर फिसड्डी साबित हुए पांच चौकी प्रभारियों के खिलाफ जांच बैठा दी गई है, वहीं पांच प्रभारियों को पुरस्कृत किया है। फतेहगंज पश्चिमी कस्बा चौकी प्रभारी और उनके साथी सिपाहियों पर मुकदमे और निलंबन की कार्रवाई के बाद अब एसएसपी अनुराग आर्य ने यह पहल की है। फरवरी के मूल्यांकन में प्रथम स्थान हासिल करने वाले सेटेलाइट चौकी प्रभारी गौरव कुमार अत्री को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र व 10 हजार रुपये पुरस्कार दिया गया। द्वितीय स्थान पर रहे मीरगंज कस्बा चौकी प्रभारी यतेंद्र सिंह को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और सात हजार रुपये पुरस्कार मिला। सरे स्थान पर कैंट की नकटिया चौकी के प्रभारी मोहित चौधरी रहे। उन्हें ट्रॉफी, प्रशस्तिपत्र और चार हजार रुपये मिले। चौथे स्थान पर भमोरा की सरदारनगर चौकी प्रभारी विकास यादव रहे। उनको प्रशस्ति पत्र और 2500 रुपये दिए गए। नवाबगंज कस्बा चौकी प्रभारी विदेश कुमार शर्मा को पांचवां स्थान मिला। उन्हें प्रशस्ति पत्र और 1500 रुपये पुरस्कार दिया गया है। रुहेलखंड चौकी प्रभारी सबसे पीछे सबसे खराब प्रदर्शन बारादरी की रुहेलखंड चौकी के प्रभारी राहुल सिंह पुंडीर का रहा। आंवला की रामनगर चौकी के प्रभारी नरेंद्र कुमार, प्रेमनगर की अशरफ खां चौकी के प्रभारी मनोज कुमार, इज्जतनगर की कर्मचारी नगर चौकी के प्रभारी सतीश कुमार और बैरियर वन चौकी के प्रभारी संजय सिंह भी इस कसौटी पर खरे साबित नहीं हुए। सभी के खिलाफ प्रारंभिक जांच कराई जा रही है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि विवेचना, जनशिकायतों के निस्तारण, चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी की विवेचनाओं के निस्तारण के आधार पर मूल्यांकन किया गया है

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश .
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
व्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

पारा ग्राम रक्षा समिति जन संवाद कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ/पारा । ग्राम लखपुरा पारा क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक झाबुआ पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा ग्राम रक्षा समिति जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान बिना दहेज दापा, बिना डीजे व बिना दारू के हो रही शादी में सम्मिलित होकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल द्वारा जिले की सुरक्षा व्यवस्था के साथ साथ अन्य सामाजिक मुद्दो जैसे बालिका शिक्षा, नशामुक्ति, सायबर अपराध, महिला संबंधी अपराध आदि विषयों पर लगातार रहा है। जनसंवाद कार्यक्रमों के सकारात्मक परिणामों हुई है। साथ ही पुलिस अधीक्षक महोदय की इस एवं सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर द्वारा भी मिशन ष्ठ3 जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है।इसी क्रम में आश्रम लखपुरा (पारा) में संवाद कार्यक्रम का आयोजन नशामुक्ति, सायबर अपराध, महिला संबंधी अपराध शिक्षा के महत्व पर विशेष ध्यान आकर्षित किया। शिक्षा समाज के विकास में एक महत्वपूर्ण योगदान और उन्हें समाज में बराबरी का दर्जा प्राप्त करने के लिए कि वे अपनी बेटियों को नियमित रूप से स्कूल भेजें साथ ही, उन्होंने बाल विवाह की समस्या पर भी चर्चा और मानसिक विकास के लिए हानिकारक है, बल्कि है। उन्होंने ग्रामवासियों से अपील की कि वे बच्चों का उन्होंने बच्चो को अच्छे संस्कार देने हेतु प्रेरित किया उन्होंने कहा कि हमें अपने बच्चों को 16 वर्ष की उम्र से पहले मोबाइल नहीं देना चाहिए।इसके साथ ही, उन्होंने नशा मुक्ति के महत्व पर बल दिया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें क्योंकि नशा न केवल परिवारों को तोड़ता है, बल्कि समाज की व्यवस्था को भी बिगाड़ता है।उन्होंने ग्रामवासियों से यह भी कहा कि उन्हें दहेज प्रथा के खिलाफ आवाज उठानी चाहिए और सामूहिक प्रयासों से इसे समाप्त करना चाहिए। दहेज प्रथा समाज में असमानताएं पैदा करती है, एसी प्रथाओं को त्यागना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सड़क सुरक्षा के महत्व पर भी बात की गई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में सिर में लगी चोटें सबसे ज्यादा घातक होती हैं, इसलिए दुपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनना चाहिए। इसके साथ ही, उन्होंने लोगों से यह भी कहा कि किसी भी प्रकार का नशा करके वाहन न चलाएं और हमेशा यातायात के नियमों का पालन करें। पुलिस अधीक्षक ने सामुदायिक पुलिसिंग के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि पुलिसिंग में आमजन का सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके माध्यम से हम न केवल कानून व्यवस्था को बनाए रख सकते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और शांति भी स्थापित कर सकते हैं। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा बताया गया कि इस तरह के संवाद कार्यक्रमों का आयोजन लगातार किया जा रहा है, ताकि पुलिस और समाज के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित हो सके और आपसी विश्वास का निर्माण हो सके। सायबर सेल टीम ने भी सायबर अपराधों के बारे में जानकारी दी। सायबर सेल टीम ने सिम स्वैपिंग, ओटीपी धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट जैसे प्रमुख सायबर अपराधों पर विस्तृत जानकारी दी और इनसे बचने के उपायों के बारे में बताया। उन्होंने ग्रामीणों को इंटरनेट पर अपनी व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखने की सलाह दी और उन्हें सतर्क रहने की चेतावनी दी, ताकि वे किसी भी प्रकार के धोखाधड़ी से बच सकें। कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक , अपनी टीम के साथ ग्राम लखपुरा पारा क्षेत्र में विकास बारिया के यहां बिना दहेज दापा और डीजे के हो रही शादी में सम्मिलित होकर वर वधु को आशीर्वाद दिया व समाज को दहेज दापा लेन देन बंद करने, डीजे का प्रयोग न करने, शराब न करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही शादी विवाह में आवश्यकता से अधिक तूफान वाहन का प्रयोग न करने की समझाइश दी। इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक पद्मविलोचन शुक्ल, एसडीओपी झाबुआ रूपरेखा यादव, एसडीओपी पेटलावद कमलेश शर्मा, थाना प्रभारी थाना कोतवाली निरीक्षक आर. सी. भास्करे, साइबर एवं यातायात प्रभारी निरीक्षक दिलीप मौर्य, पारा चौकी प्रभारी उप निरीक्षक पल्लवी भाभर, रक्षा सखी टीम, सायबर टीम, ग्रामवासी, पत्रकार बंधु और अन्य पुलिस अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कुल 30 ग्राम स्मैक के साथ 02 अभियुक्त/ अभियुक्ता को किया गया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -भूपेंद्र तिवारी

बहराइच/पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी के सम्बन्ध में चलाये जा रहे सघन चेकिंग अभियान के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक महोदय (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी व क्षेत्राधिकारी महोदय मिहीपुरवा हर्षिता तिवारी के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियो की रोकथाम जुर्म जरायम को रोकने हेतु थानाध्यक्ष श्री आनन्द कुमार चौरसिया के कुशल नेतृत्व में गठित टीम द्वारा दिनांक 09.04.2025 को थाना क्षेत्र भारत नेपाल बार्डर पर पिलर सं0 667 से 200 मीटर अन्दर भारत मे वृहद ग्राम लौकाही के पास चेकिंग के दौरान एक नफर अभियुक्त 1.मकसूद पुत्र अब्दुस सलाम उम्र करीब 46 वर्ष निवासी ग्राम टेरा थाना जैदपुर जनपद बाराबंक 2.अभियुक्ता रईशा बानो पत्नी अब्दुल रशीद उम्र करीब 50 वर्ष निवासिनी ग्राम टेरा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी को 16 ग्राम व 14 ग्राम स्मैक (कुल 30 ग्राम) के साथ गिरफ्तार कर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 218/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त व अभियुक्ता को न्यायिक हिरासत में भेजा गया। उल्लेखनीय है कि उ0नि0 नवनीत भास्कर मय हमराह हे0का0 शकील अहमद , का0 अखिलेश कुमार , का0 रामआशीष चौरसिया का0 सूरज कुमार व एसएसबी बल के साथ देखभाल क्षेत्र, चेकिंग वाहन/ संदिग्ध व्यक्ति रोकथाम जुर्म जरायम रोकथाम तस्करी हेतु क्षेत्र मे भ्रमणशील थे, इसी दौरान चेकिंग अभियुक्त 1.मकसूद पुत्र अब्दुस सलाम उम्र करीब 46 वर्ष निवासी ग्राम टेरा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी 2. अभियुक्ता रईशा बानो पत्नी अब्दुल रशीद उम्र करीब 50 वर्ष निवासिनी ग्राम टेरा थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी को 16 ग्राम व 14 ग्राम स्मैक (कुल 30 ग्राम) के साथ गिरफ्तार किया गया गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा पंजीकृत कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया ।

कुदरगढ़ देवी दर्शन करने जा रहे युवक की नदी में डूबने से मौत, परिवार में कोहराम, ठेकेदार की लापरवाही से हुई घटना

क्यूँ न लिखूँ सच

ओड़गी - जिले के ओड़गी विकास खंड अन्तर्गत कुदरगढ़ इंदरपुर मुख्य मार्ग में स्थित गोखनई नदी में कुदरगढ़ देवी दर्शन करने जा रहे युवक की नदी में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। यह घटना आज बुधवार को सुबह 7.30 बजे की बताई जा रही हैं। प्राप्त जानकारी अनुसार अम्बिकापुर के चांदनी चौक खुटरापारा के रोहित जायसवाल उम्र लगभग 18 वर्ष व बड़ा भाई रिशु जायसवाल अपने परिवार के साथ बुधवार को सूरजपुर जिले के ओड़गी विकास खंड में स्थित सुप्रसिद्ध कुदरगढ़ देवी धाम में माता रानी का दर्शन करने जा रहे थे। तभी वे इंदरपुर कुदरगढ़ मुख्य मार्ग में स्थित गोखनई नदी पर नहाने के लिए उतरे। इस मार्ग पर नवीनतम पुल का निर्माण किया जा रहा है जहां पर ठेकेदार के द्वारा भारी मात्रा में रेत निकाल कर नदी को गड्ढा बना दिया गया है। जिससे रोहित जायसवाल व उसका बड़ा भाई रिशु जायसवाल अपने परिवार के साथ वही नहा रहें थे। तभी इन दोनों भाईयों को उस गड्ढे के पानी का अंदाजा नहीं लग पाया कि कितना पानी का गहराई है। तभी नदी में रोहित जायसवाल व रिशु जायसवाल डुबने लगें। डूबते देख उसके पापा कन्हैया जायसवाल बचाने लगें जिसमें किसी तरह दोनों को बाहर निकालें। फिर तत्काल नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ओड़गी ले गए। जहां पर रोहित जायसवाल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया व रिशु जायसवाल की जान बच गई। जिससे परिवार में परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया है। परिवार में कोहराम मच गया। शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया है। संबंधित घटना की सूचना पुलिस को दीं गई और पुलिस आगे की कार्यवाही कर रहीं। परिजनों ने आरोप लगाया है कि यह घटना निर्माण करा रहें ठेकेदार की लापरवाही से हुआ है वहां कोई सांकेतिक चिन्ह नहीं लगाया गया है। ऐसे में परिजन शासन प्रशासन से कार्यवाही की मांग की है।

जनपद शामली को राज्य स्तर से प्राप्त 102 की पांच नई एंबुलेंस का जिलाधिकारी मैं मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सीता काट कर किया उद्घाटन

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली जनपद शामली को राज्य स्तर से प्राप्त 102 की 05 नयी एम्बेलुन्स का उद्घघाटन मा0 शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, व जिलाधिकारी शामली श्री अरविन्द कुमार चौहान द्वारा आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय शामली से फीता काटकर एवं हरी झण्डी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त एम्बुलेन्स के द्वारा जननी सुरक्षा योजना एवं जननी शिशु सुरक्षा योजना के अन्तर्गत चिकित्सा इकाई पर आने वाली प्रसुता महिलाओ को जांच, प्रसव एवं प्रसव उपरान्त प्रसुता को चिकित्सा इकाई से घर तक छोडने एवं नवजात शिशु को चैकअप हेतु नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।एम्बुलेन्स के उद्घघाटन के समय मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल कुमार,डा0 कृष्ण गोपाल अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 विनोद कुमार नोडल अधिकारी, डा0 अतुल बंसल अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 अथर जमील, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 जाहिद अली त्यागी, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डा0 करन चौधरी, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी, श्री आशुतोष श्रीवास्तव, डी0पी0एम0 एवं प्रोग्राम मैनेजर, 102/108 एम्बुलेन्स, जी0वी0के0 कम्पनी व अन्य के द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में एकदिवसीय वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली राष्ट्रीय किसान (पीजी) कॉलेज एवं जिला सेवायोजन कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेलें का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि के रूप में शामली विधायक श्री प्रसन्न चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सत्येंद्र पाल ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में जिला सेवायोजन अधिकारी श्री अजय कुमार ने रोजगार मेले में प्रतिभाग करने वाली विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनीयों का संक्षिप्त परिचय कराया तथा कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शामली विधायक श्री प्रसन्न चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान केन्द्र और प्रदेश सरकार नौजवानों के रोजगार के लिए प्रतिबद्ध है इस क्षेत्र के युवा बहुत ही प्रभावशाली है, वो हर क्षेत्र में अपने कौशल विकास का परिचय देते हुए प्रगति की ओर अग्रसर है। मुख्य विकास अधिकारी श्री विनय कुमार तिवारी जी ने बताया कि इस रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं के भविष्य का निर्माण होगा साथ ही नई पीढ़ी में ऊर्जा का सकारात्मक संचार होगा। जिला सेवायोजन अधिकारी अजय कुमार ने बताया कि इस रोजगार मेले में विभिन्न कम्पनी जिसमें स्टार मैनपावर सोल्यूशन, सन फार्मा, सिग्नेचर सर्विस सिंडीकेट, सिस्का इलेक्ट्रिकल एंड मैनेजमेंट एंटरप्राइजेज, बिग ट्री रिसोर्स मैनेजमेंट प्रा लि, भारत फाइनेंशियल इन्क्लूजन लि,क्रेस क्राप लि, भारतीय जीवन बीमा निगम, होली हर्ब्स हेल्थकेयर प्रा लि, निकिता पेपर्स लि, एकेएस जाब्स् प्लेसमेंट सर्विस, मेधावी एस्पायर प्रा लि, पुखराज हेल्थकेयर प्रा लि, क्रीन सिक्सटीन एपेरेंल्स प्रा लि, कैरियर व्हील्स प्रा0 लि0, डिक्शन टेक्नोलॉजीज इंडिया लिमिटेड आदि 19 कम्पनियों ने प्रतिभाग किया जिसमे कुल 462 छात्र छात्राओं का प्लेसमेंट किया गया। इस अवसर पर प्लेसमेंट अधिकारी डॉ माँगे राम ने सभी अथितियों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ बिनिता कुमारी द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉक्टर पीके सिंह, डॉ रजनी रानी डॉक्टर रोहित राणा प्रोफेसर आरपी सिंह डा रवि बंसल डॉ मनोज मलिक, निकिता, पूजा, आयुषी, दीपक, नीरज, संजीवकुमार, सतेन्द्र आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

अज्ञात कारण के चलते किसानों के खेतों में गेहूं की खड़ी फसल जलकर हुई राख

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती में इस वक्त भीषण गर्मी का प्रकोप कभी पुरवा हवा तो कभी पछुआ हवा जो तपन को और बढ़ता जा रहा है। अग्नि देव के तांडव व मौसम के बदलते रुख को देखते हुए जहां किसान दिन रात खेतों में खड़ी फसलों को काटने में जी जान लगाए हुए हैं। वही पलक झपकते ही अज्ञात कारण के चलते आग के लगते ही किसानों की गाढी कमाई राख में तब्दील हो जाती है। बीती रात थाना भिनगा कोतवाली क्षेत्र के मोहम्मदपुर कला के मजरा शुकुलपुरवा में अज्ञात कारण के चलते गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। आग की लपटे इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते करीब 20 बीघे गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने ग्रामीणों की मदद से घंटों बाद आग पर काबू पाया गया। परंतु तब तक किसानों की लगभग 20 बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। वही मौके पर नायब तहसीलदार ने पहुंचकर क्षति का आकलन किया।

संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहित की हुई मौत, पुलिस ने शव को भेजा पोस्टमार्टम

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती के थाना हरदत्त नगर गिरन्ट क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शेखन पुरवा दाखिला ददोरा निवासी रुखसार की संदिग्ध परिस्थितियों में उसके ही कमरे में मौत हो गई। मौत की सूचना पाते ही बेटी के घर आए मृतक के माता पिता ने पुलिस को सूचना दी। मृतक की मां ईस = जहां निवासी अमवा भारी दाखिला मोहरवा थाना मटेरा जनपद श्रावस्ती ने ससुरालियों के खिलाफ प्रार्थनापत्र देते हुए आरोप लगाया कि 7 माह पूर्व हैसियत के अनुसार बेटी की शादी में दहेज दिया था। परंतु शादी के बाद से ही ससुरालियों के द्वारा बेटी को प्रताणित किया जाता रहा है। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ड्रीम एक्सीलेटर प्रोजेक्ट के तहत स्कूल चलो अभियान रैली का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच -वीरेंद्र कुमार वर्मा

श्रावस्ती - बाल रक्षा भारत के ड्रीम एक्सीलेटर प्रोजेक्ट के तहत कम्पोजिट स्कूल करियाती पुरवा (रामपुर) में स्कूल चलो अभियान रैली का भव्य आयोजन किया गया। इस रैली में माइक्रो प्रोजेक्ट से जुड़े बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और समुदाय में शिक्षा के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाई। रैली के दौरान बच्चों ने हाथों में रंग-बिरंगे पोस्टर और स्लोगन लेकर गांव की गलियों से होते हुए स्कूल तक मार्च किया। सब पढ़ें, सब बढ़ें, शिक्षा का अधिकार सबका अधिकार जैसे नारे गूंजते रहे, जिससे ग्रामीणों में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सकारात्मक संदेश गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा के प्रति समुदाय में जागरूकता बढ़ाना, स्कूल ड्रॉपआउट्स को पुन: स्कूल से जोड़ना और हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। स्कूल के अध्यापकों, माइक्रो प्रोजेक्ट के बच्चें एवं बाल रक्षा भारत की टीम ने इस रैली को सफल बनाने में विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम के समापन पर बच्चों को प्रेरणादायक बातें बताई गईं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी।

छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज की बाइक रैली 10 अप्रैल को राजधानी रायपुर में आयोजित होगी- मनोज वर्मा

क्यूँ न लिखूँ सच

रायपुर छत्तीसगढ़-छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के तत्वाधान में होने वाले 13 एवं 14 अप्रैल को होने वाले 79वां महाअधिवेशन को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज के युवा एवं महिला कार्यकारणी द्वारा राजधानी रायपुर कार्यक्रम में समाज की सम्मानीय केन्द्रीय कार्यकरणीय महिला एवं युवा कार्यकरणीय राजधानी में अपनी समाज रायपुर में 10 अप्रैल गुरुवार 3 बजे से मोवा स्कूल इस रैली का नेतृत्व छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज इस अवसर प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से रायपुर राज के राष्ट्रीय अध्यक्ष मीडिया सेल IHRCCO INDI ने अध्यक्ष श्रीमती सरिता बघेल जी एवं समस्त युवा एवं जुटे हुए है इस। महा रैली को लेकर रविवार को केंद्रीय कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भी अवगत करवा चुके हैं। इस क्षत्रिय समाज के सभी स्वजातीय बंधुओं, माता, बहनों वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी क्षत्रिय समाज गर्व की बात है इस रैली में समाज को अपनी ताकत नहीं वरन देश भर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है

में 10 अप्रैल को भव्य बाइक रैली निकाला जाएगा । इस दसों राज के सम्मानीय राजप्रधान पदाधिकारीगण सहित की ताकत दिखाने के लिए गर्मजोशी से बाइक रैली राजधानी ओवर ब्रिज के पास से भव्य महारैली की शुरुआत होगी। के केंद्रीय युवा अध्यक्ष चंद्रकांत वर्मा जी को दिया गया है मीडिया प्रभारी एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज वर्मा (स्वतंत्र) जानकारी देते हुए।बताया कि केंद्रीय युवाध्यक्ष एवं महिला महिला पदाधिकारी इस कार्यक्रम को लेकर पूरी तैयारी में अध्यक्ष सम्माननीय श्री खोड़स राम कश्यप जी ने प्रेस महारैली में हजारों की संख्या में छत्तीसगढ़ मनवा कुर्मी को बाइक रैली में शामिल होने की अपील करते हुए मनोज का महाधिवेशन छत्तीसगढ़ की राजधानी में होना बड़े ही जरूर दिखाना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने छत्तीसगढ़ को ही उस पहचान को ताजा करने की लिए बाइक रैली , समाज की ओर से, महिलाओं की कलश यात्रा सभी स्वजातीय बंधुओं माता, दीदी बहनें एवं सभी युवस्थी सियान, 13 और 14 अप्रैल को अपना बहुमूल्य समय निकाल कर। इस आयोजन को सफल बनाए। इस अवसर पर केंद्रीय युवा अध्यक्ष सम्माननीय चंद्रकांत वर्मा जी ने कहा कि ऐसा मौका बार बार नहीं आता । सभी युवा भाइयों एवं बहनों से अपील करता हु कि आप सभी अपना बहुमूल्य समय निकल कर इस कार्यक्रम को सफल बनाए । बाइक रैली मोवा से शुरुआत होकर दलदल सिवनी, दुबे कॉलोनी,के रस्ते से कचहरी चौंक,, जयस्तंभ चौक, पुल चौक,में छत्तीसगढ़ के स्वप्नदृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल जी की प्रतिमा में माल्यार्पण करेंगे और उसके बाद तात्यापारा चौंक, लाखे नगर चौंक, पुरानी बस्ती होते हुए इनडोर स्टेडियम सभा स्थल में समाप्त होगी। इसमें विशेष रूप से समाज का रथ सामने होगा ,उसके पीछे बाइक चलेगी साथ में गाजे बाजे एवं छत्तीसगढ़ राज्य गीत एवं समाज की गीत मुख्य रूप से सभी राजधानी वासियों को सुनने को मिलेगा । सभी बाइक में समाज का ध्वज लगाया जाएगा। श्री मनोज वर्मा (स्वतंत्र) ने कहा कि मैं पुन: एक अंत में सभी स्वजातीय परिवार को सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए अपील करता हूं कि अपना अपना बहुमूल्य समय निकाल कर एक जूट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करे।

झांसी , ललितपुर एवं जालौन के जिला प्रशासन द्वारा प्रस्तुत किया गया 03 वर्षों में प्राप्त प्रस्तावों के निस्तारण का विवरण

क्यूँ न लिखूँ सच

झांसी - उत्तर प्रदेश विधान परिषद की ""विधायी समाधिकार समिति"" के मा0 सभापति डॉ0 मानसिंह यादव के सभापतित्व में समीक्षा बैठक कलैक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। जनपद आगमन पर ""विधायी समाधिकार समिति"" के मा0 सभापति डॉ0 मानसिंह यादव का गार्ड ऑफ ऑनर के साथ सम्मान किया गया। बैठक में सर्वप्रथम जिलाधिकारी झांसी द्वारा मा0 सभापति, विधायी समाधिकार समिति, उत्तर प्रदेश विधान परिषद झांसी श्रीमती रमा निरंजन का स्वागत किया कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायी सहित समीक्षा अधिकारी श्री विवेक सिंह, अंकुर रावत भी मौजूद रहे। मा0 सभापति दिये कि विधायी समाधिकार समिति का उद्देश्य भी निर्देश दिये कि सभी विभागीय अधिकारी द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों को धरातल पर मूलरुप में प्रशासन सम्बन्धित जनपद में मा0 विधान सभा कराये गये प्रस्तावों एवं आवेदनों का निस्तारण अधिकारी सम्बन्धित प्रस्तावों पर की गयी करायें। प्रगतिरत निर्माण कार्यो को समय सीमा अद्यतन स्थिति से जनप्रतिनिधियों को भी अवगत परियोजनाओं की पूर्ति के पश्चात लोकार्पण के रुप से अंकित करायें, इस कार्य में किसी भी

डॉ0 मानसिंह यादव एवं मा0 सदस्य, विधान परिषद गया, साथ ही माननीय अतिथिगणों को स्मृति चिन्ह भेंट समाधिकार समिति के उप सचिव श्री संजय कुमार अग्रहरि प्रतिवेदक श्री अभय सिंह एवं अपर निजी सचिव श्री डॉ0 मानसिंह यादव ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देश संवैधानिक नियमों का अनुपालन कराना हैं। उन्होने यह संवैधानिक नियमों के अनुपालन हेतु विभिन्न समितियों अवतरित कराने में पूर्ण तत्परता के साथ कार्य करें। जिला एवं विधान परिषद के चयनित जनप्रतिनिधियों द्वारा उपलब्ध निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करायें, इसके साथ ही कार्यवाही से जनप्रतिनिधियों को अनिवार्य रुप से अवगत के भीतर पूर्ण कराते हुये निर्माणाधीन परियोजनाओं की करायें। उन्होने कहा कि लक्षित निर्माण सम्बन्धी समय पट्टशिला पर मा0 जनप्रतिनिधियों के नाम अनिवार्य प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। सदन की कार्यवाही के दौरान समितियों द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों का समस्त जिला स्तरीय अधिकारी अक्षरश: अनुपालन सुनिश्चित करें, इसके साथ ही विचाराधीन लम्बित प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ निस्तारित कराये जायें। बैठक में मा0 सभापति उत्तर प्रदेश विधान परिषद सहित उपस्थित अन्य सदस्यों द्वारा जनपद झांसी, ललितपुर एवं जालौन के प्रशासनिक अधिकारियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि समितियां लघु सदन के रुप में कार्य करती हैं, जिनका उद्देश्य संविधान में प्रदत्त नियमों का धरातल पर अनुपालन सुनिश्चित कराना हैं। विधान सभा सदस्यों को जनता के द्वारा चुना जाता हैं, जबकि विधान परिषद के सदस्यों को नगर पालिकाओं, पंचायतों एवं अन्य राज्य संस्थाओं द्वारा चुना जाता हैं। विधान सभा और विधान परिषद दोनों में समितियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, जो विधायिका के कामकाज को सुचारु रुप से चलाने, विधायी कार्यों की समीक्षा करने और सरकार की नीतियों पर निगरानी रखने में सहायता करती हैं। यह सदन के कामकाज की सुचारु रुप से संचालित कराने में सहायता प्रदान करती हैं। बैठक में जिलाधिकारी झांसी श्री अविनाश कुमार, जिलाधिकारी ललितपुर श्री अक्षय त्रिपाठी, जिलाधिकारी जालौन श्री राजेश कुमार पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक झांसी श्रीमती सुधा सिंह, पुलिस अधीक्षक ललितपुर मो0 मुश्ताक, पुलिस अधीक्षक जालौन डॉ0 दुर्गेश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी झांसी श्री जुनैद अहमद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन झांसी श्री अरुण कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी ललितपुर श्री अंकुर श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी जालौन श्री संजय कुमार, मुख्य विकास अधिकारी ललितपुर श्री कमलाकान्त पाण्डेय, मुख्य विकास अधिकारी जालौन श्री राजेन्द्र कुमार श्रीवास, प्रधानाचार्य मेडीकल कालेज झांसी डॉ0 मंयक सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी झांसी डॉ0 सुधाकर पाण्डेय, उपाध्यक्ष झांसी विकास प्राधिकरण श्रीमती उपमा पाण्डेय, अपर नगर आयुक्त मो0 कमर, नगर मजिस्ट्रेट झांसी श्री प्रमोद कुमार झा सहित झांसी, ललितपुर एवं जालौन के अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

होने वाले दामाद के साथ भागी महिला , ...घर छोड़कर जा रहा हूं और मुझे ढूंढने की कोशिश न करना

क्यूँ न लिखूँ सच -लवकुश ठाकुर

अलीगढ़7 शादी से पहले सास ही दामाद को लेकर फरार हों गई7 युवक के साथ भागी महिला की बेटी की शादी 16 अप्रैल को होनी थी, शादी जिस युवक से होने है रहीं थी उसकी होने वाली सास ने ही पलट पूरा मामला पलट दिया7अपनी बेटी के होने वाले पति यानि दामाद संग युवती की माँ, ?2.5 लाख कैश और ज्वेलरी लेकर फरार हों गई7घटना के बाद बेटी की शादी से पहले ही परिवार में बबाल हों गया, परिजनों ने स्नङ्कक्र दर्ज कराई हैं, फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रहीं हैं। मडराक थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पिता ने अपनी बेटी की शादी दादों थाना क्षेत्र के रहने वाले एक युवक से तय की थी। 16 अप्रैल को बारात आनी थी। शादी की सारी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी थीं। कार्ड भी रिश्तेदारों को बांट दिए गए हैं। लड़की के परिवारजनों ने बताया, दामाद घर आता-जाता था। वह होने वाली सास के साथ घंटों अकेले रहता। लोग इसे नॉर्मल समझ रहे थे। सबको लगता था कि दामाद और सास शादी की तैयारियां कर रहे हैं। दामाद ने कुछ दिन पहले अपनी सास को एक मोबाइल भी गिफ्ट किया था दोनों फोन पर खूब बात करते थे। इसके बाद महिला अपने घर से गायब हो गई। परिवार के लोगों ने बताया, दूल्हा भी घर से शादी की खरीददारी करने और कपडे खरीदने की बात कहकर निकला था। देर शाम को उसने अपने पिता को फोन किया और कहा कि मै घर छोड़कर जा रहा हूं और मुझे ढूंढने की कोशिश न करना। लोगों को लगा कि वह किसी बात से परेशान होगा और शाम तक घर आ जाएगा। लेकिन वह देर शाम तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोगों ने लडकी के परिवार वालों को फोन करके बातचीत की। तब उन्हें पता चला कि लड़की की मां भी घर से गायब है। वह अपने साथ ढाई लाख कैश और गहने ले गई है। गहने परिवार ने बेटी की शादी के लिए बनवाए थे। सास के गायब होने पर हुआ संदेह लड़की के घरवाले दूल्हे के ऊपर अपनी होने वाली सास को भगाने के आरोप लग रहे हैं। परिवार के लोगों का यह भी आरोप है कि लड़का अपनी सास से लगातार बातें करता था। अपनी होने वाली दुल्हन से वह इतनी बात नहीं करता था, जितनी वह अपनी सास से बात किया करता था। महिला की गुमशुदगी दर्ज, दूल्हे की खोज जारी मडराक थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया, महिला के परिवार की ओर से लिखित शिकायत मिली थी। जिसके बाद महिला की गुमशुदगी दर्ज करके उसकी खोजबीन की जा रही है। लड़का भी इसी दिन से गायब है। लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों साथ में ही कहीं गए हैं। मामले की जांच की जा रही है और जल्दी ही पूरी घटना स्पष्ट हो जाएगी।

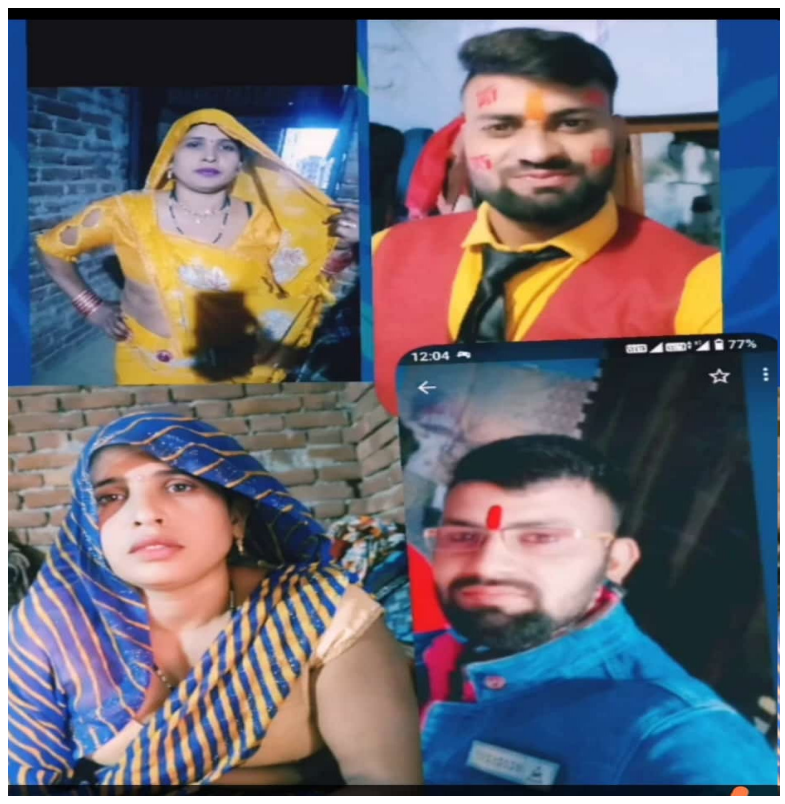

संक्षिप्त समाचार

सीएचसी कोंच में कर्मचारी करते हैं मनमानी

क्यूँ न लिखूँ सच

कोंच- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोंच मे प्राय: यह देखा जाता है कि मरीजों को कैसे परेशान करें आज ही देखने मे आया है कि जब मरीजों का अस्पताल आने का समय होता है तभी यहाँ कार्यरत कर्मचारी मरीजो की लगी लम्बी लाइनों को अनदेखा कर अपना समय पास करने के लिए खाना खाने वैठ जाते हैं ऐसे मे कौन मरीज है जो उनको टोक कर उनका ग्रास बनने की तोहमत उठाएगा यहाँ एक बीडीओ मे साफ दिख रहा है कि कई महिला मरीज अपने वच्चो को लेकर भटक रही हैं और अस्पताल कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं यहाँ देखने मे आया है कि पर्चा बनवाने के लिए मरीजो की लम्बी लम्बी कतारे लगी है, और पर्चा वनाने बाले दोनों कर्मचारी खाना खाते नजर आ रहे है द्य अब देखना यह है कि प्रशासन इन लोगों पर क्या कार्यवाही करता है पर्चा काउंटर पर बैठे कर्मचारी कर रहे मनमानी

पुलिस टीम द्वारा 01 परिवार में सुलह कराते हुए परिवार को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच

बहराइच/आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

मड़ैया घाट पर निर्माणाधीन गंगा पुल का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

जनपद फरूखाबाद - फर्रूखाबाद- आशुतोष कुमार द्विवेदी जिलाधिकारी द्वारा कमालगंज ब्लॉक के मड़ैया घाट पर निर्माणाधीन गंगा पुल का निरीक्षण किया गया डी पी एम द्वारा अवगत कराया गया कि पुल का लगभग 76 प्रतिशत कार्य पूरा हो गया है,कार्य समय से पूर्व पूरा कर लिया जायेगा, जिलाधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि कार्य मे मानक और गुडवत्ता का विशेष ख्याल रखा जाये निरीक्षण के दौरान अधि0अभि0 लोक निर्माण विभाग व सेतु निगम के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच - शैलेंद्र कुमार पांडेय

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया ।

Do not make the mistake of eating these 5 things with curd, you will be troubled by acidity and heartburn

If there is some most relieving food in food but also cools the stomach, but may have to suffer from acidity and Consumption of curd is very things. Some foods can be harmful with salt directly... the stomach gets which is considered healthy, is not of curd, but of the things eaten simple, but become a problem for the then know those 5 things which Curd + FishCurd and fish both are fish is hot and the nature of curd is the temperature in the body, due to This combination is also considered sounds common, but this combination some amount of sulfur compounds problems like gas, bloating and citrus fruits or something like mango this can cause acid overload – due to summers, then it is- cold curd. It not only enhances the taste of do you know that if certain things are eaten with curd, then you heartburn? Let's know in detail (Foods to Avoid With Curd). beneficial for health.It needs to be avoided eating it with some when mixed with curd. Cold lassi, spicy raita or a bowl of curd cooled just by hearing it! But have you ever wondered why curd, sometimes becomes the enemy of your health? Yes, the fault here with it. Many people eat curd with some such foods which look stomach. So if you also want curd to give coolness, not trouble, should never be eaten with curd (What Not To Eat With Curd). protein rich foods, but their nature is different. Yes, the nature of cold. In such a situation, eating both of them together worsens which skin allergies, acidity and digestion problems can start. 'forbidden' in Ayurveda. Curd + Onion Onion and curd - it can also spoil digestion. Onion is also hot in nature and contains that can react with the cold nature of curd. This can cause heartburn. Curd + sour food If you are eating curd with lemon, shake, then be careful! Both contain acid and when taken together, which you will feel stomach pain, gas and heaviness. Curd + hot food Eating curd immediately with hot food, especially when the food is very spicy, can increase gas and indigestion. It is better to include curd a little later or in a cold form like raita or buttermilk. Curd + milk / curd + banana Some people think it is healthy and take banana and curd or sometimes curd with milk. This combination is also not considered good for digestion. The nature of curd + banana or curd + milk also do not match, which can cause heaviness in the stomach and heartburn. What to eat with curd? Make raita by mixing cucumber, mint and roasted cumin Take buttermilk with rice Take curd in the afternoon – don't take it at night Keep a gap of at least 30 minutes between food and curd Friendship with curd is beneficial only till you eat it in the right way and with the right things. Otherwise it can become the same curd which can trouble you the whole day by giving belching, burning sensation and stomach complaints.

Does your mouth remain open while sleeping? Then be alert! This habit can ruin your health

Who doesn't like to sleep peacefully at night, but if your mouth remains open during this time, then this habit (Open Mouth Sleeping) can gradually harm your body. In the beginning, it seems like a minor thing, but the reasons hidden behind it and its effects can be so serious that you will also be shocked to know. Many people's mouth remains open while sleeping. This

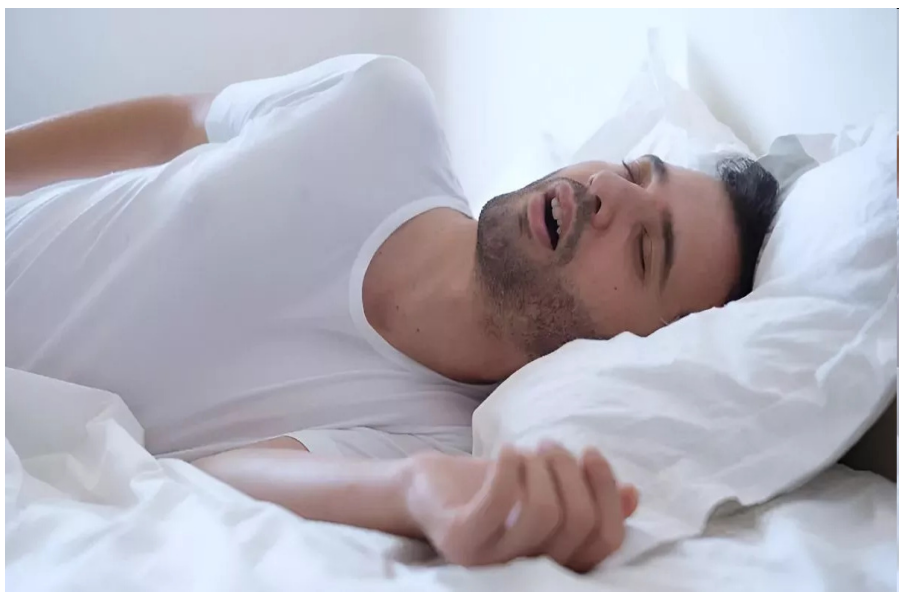

habit of keeping the mouth open is not good for health. This can gradually cause serious damage to your body. Have you ever seen someone sleeping with their mouth open? Or have you found your throat dry as soon as you woke up in the morning, felt a strange bitterness in the mouth and bad breath? If the answer to these questions is yes, then be careful! This is not a joke, but it is the bell of your health which is ringing and you should listen to it from now on. Keeping your mouth open while sleeping is not a cute habit, but can be a slowly spreading poison for your health. It not only ruins the quality of your sleep, but also affects your teeth, throat, breathing and even the brain (Health Risks of Open Mouth Sleeping). So if you are also one of those people whose mouth remains open inadvertently during sleep, then read this article till the end. Who knows, your health may also start changing after this. Why does the mouth remain open while sleeping? Open mouth during sleep is usually due to two main reasons: Difficulty breathing through the nose: When the nose is blocked or obstructed (such as cold, allergy or sinus problem), the body automatically starts breathing through the mouth. Wrong sleeping habits: Sleeping on the stomach or back also sometimes promotes the habit of keeping the mouth open. Disadvantages of sleeping with an open mouth Dehydration and dry mouth Breathing through the mouth causes the saliva to dry quickly, which causes dryness and bad odor in the mouth. This causes frequent thirst and sleep can also be interrupted. Breathing problems Breathing through the mouth is not a natural way. This reduces oxygen absorption, due to which the body does not get enough oxygen and this can cause tiredness, lethargy and lack of focus. Damage to teeth and gums When the amount of saliva decreases, bacterial growth increases. This can cause cavities, swollen gums and bad breath. Decrease in sleep quality People who sleep with an open mouth often snore. This not only disturbs their sleep, but also that of those sleeping with them. Effect on facial structure In children, keeping the mouth open for a long time can affect the jaw and facial structure. This can make their face look long and narrow, which is called "Long Face Syndrome". How to know if you sleep with your mouth open? As soon as you wake up in the morning, your mouth feels dry There is a sore throat or pain Bad breath There is a headache Your partner tells you that you keep your mouth open at night or snore If you are feeling any of these symptoms every day, then you should be alert. Easy ways to get rid of this habit Keep your nose clean Clean your nose before sleeping. Take steam or clean your nose with salt water so that your nose remains open. Sleep in the right position Sleeping on your side is best. This makes it easier to breathe through your nose and your mouth doesn't remain open. Use a humidifier If the air in the room is dry, use a humidifier. This keeps your nose and throat moist. Strips to keep your mouth closed Nowadays, there are strips available in the market that can be applied on your lips to keep your mouth closed. But before using them, consult a doctor. Consult a doctor If the problem persists, get it checked by an ENT specialist or a sleep specialist. Sometimes, it can be a sign of a serious condition like sleep apnea. Big impact of a small habit Sleeping with your mouth open may seem like a small habit, but the dangers hidden behind it can be big. It is important to identify it at the right time and take measures so that you can maintain your sleep and health as well. So, if next time someone says, "Your mouth remains open while sleeping", don't take it lightly. Maybe your health is giving you some signals.

If you are planning to go to Kedarnath Dham for the darshan of Bholebaba, then here is the complete travel guide

The doors of Kedarnath temple (Kedarnath Dham Yatra 2025) are going to open from May 2. In such a situation, many people are planning to go for the darshan of Bholebaba. It is one of the 12 Jyotirlingas and Char Dham, whose darshan is of great importance. In such a situation, if you are also planning to go to Kedarnath this year, then you can follow this travel guide.

Char Dham Yatra 2025 is going to start on 30 April. The doors of Kedarnath temple are going to open from May 2. In such a situation, you can reach the temple to see Bholebaba. Pilgrimage (Kedarnath Dham Yatra 2025) is of great importance in Hinduism. This is the reason why people often go to some pilgrimage Dham or religious place. Apart from this, Char Dham Yatra is also of great importance in Hinduism. This journey is also of two types. One Char Dham Yatra includes four temples of India, while the other includes four temples of Uttarakhand, Yamunotri, Gangotri, Kedarnath and Badrinath. Of all these Dhams, Kedarnath Dham is considered to be the most important. Everyone wishes to visit here once. This court of Bholenath, situated on the hills of Uttarakhand, has special importance in Hinduism and hence one has to undertake a difficult journey to reach here. When is the Char Dham Yatra starting? This year the Char Dham Yatra is going to start from 30 April. Under this, the doors of Yamunotri and Gangotri will open from 30 April, while Kedarnath will open for devotees from 2 May and Badrinath from 4 May. If you are also planning to go to Char Dham Yatra or just Kedarnath this year, then today in this article we will tell you a complete travel guide to go to Kedarnath - How to reach Kedarnath Dham If you are planning to go to Kedarnath, then to go to the court of Bholenath, you will have to reach Haridwar or Dehradun. For this, you can take train, bus or flight from Delhi or any city. There is no rail facility to go directly to Kedarnath. Therefore, you have to reach here via Rishikesh, Haridwar or Dehradun and then from here you can reach Kedarnath via bus or helicopter. How to reach by flight? The nearest airport to reach Kedarnath Dham is Jolly Grant Airport in Dehradun, which is about 238 km from Kedarnath. This airport is connected to major cities of India like New Delhi, Mumbai, Kolkata and Chennai. After reaching here, you can hire a taxi from Dehradun or take a bus to reach Sonprayag, the nearest road route to Kedarnath. How to reach by train? Rishikesh railway station is the nearest railway station to reach Kedarnath Dham. It is about 210 km away from Gaurikund. This railway station is connected to almost all the major cities of India and regular trains run here daily. After reaching Rishikesh, you can take a bus from here to Gaurikund. How to reach by road? The road to Kedarnath ends at Gaurikund and a 17 km long climb starts from here. So if you want to come here by road, then Gaurikund is well connected by roads to major places of Uttarakhand and northern states of India. You will easily get buses and taxis for Gaurikund from Dehradun, Rishikesh, Haridwar, Srinagar etc.

The South film in front of which even The Conjuring will seem less scary, will create fear every minute, where to watch on OTT

There is no fun in horror films unless they keep you awake all night. You must have seen many South films till now but there is more comedy in them than ghosts. However, we are going to tell you about a South horror film which is no less than Hollywood films. This South horror film is scarier than Hollywood. After watching the film, you will have a strange feeling after entering the house. On which platform can you watch this horror film? The craze of horror films is increasing among the people, this is the reason why the makers are also working more and more on this genre. From Raja Saab to Bhoot Bangla, The Bhootni, Stree 3 and Kapkapii, films are going to be released in the coming time. Even on OTT, people are looking for such films, which can compete with Hollywood's The Exorcism, The Nun, The Conjuring and The Ring. Today we are going to tell you about one such South film, which will give you shivers. There will be a feeling that someone will knock on the door at any moment, or someone will come from behind the curtain. Which is that film and on which OTT platform you can watch it, we will tell you every detail: This South film will give you goosebumps Usually when we sit to watch a South film, it looks very interesting in the beginning, but later so much comedy is added to it that the audience starts finding it boring. However, after watching the film we are going to tell you about, you will be scared to even go to the washroom alone. This movie, which competes with Hollywood horror films, is the 2023 film 'Pindam'. Directed by Sai Kiran Deda, the story of 'Pindam' is very scary. This 2 hour 27 minute film will not let you move from your place even for a single minute. The way the director has presented the scary story of a Christian family's house in 1990 to the audience is really praiseworthy. The ghost will not be seen in the film, but the feeling of fear will be such that if you go from one room to another without friends, then consider yourself brave. On which OTT platform can you watch the film Pindam In this horror film made in Telugu language, actor Sriram has played the lead role of Anthony, Kushi Ravi has played the lead role of Mary. Apart from this, Ishwari Rao has destroyed the ghosts by becoming Annama in the movie. You can watch this movie in Hindi on Amazon Prime Video. This film has got a rating of 7.4 out of 10 on IMDB.

Madhuri Dixit changed the style of cinema? Fans fiercely followed these stylish trends of the actress

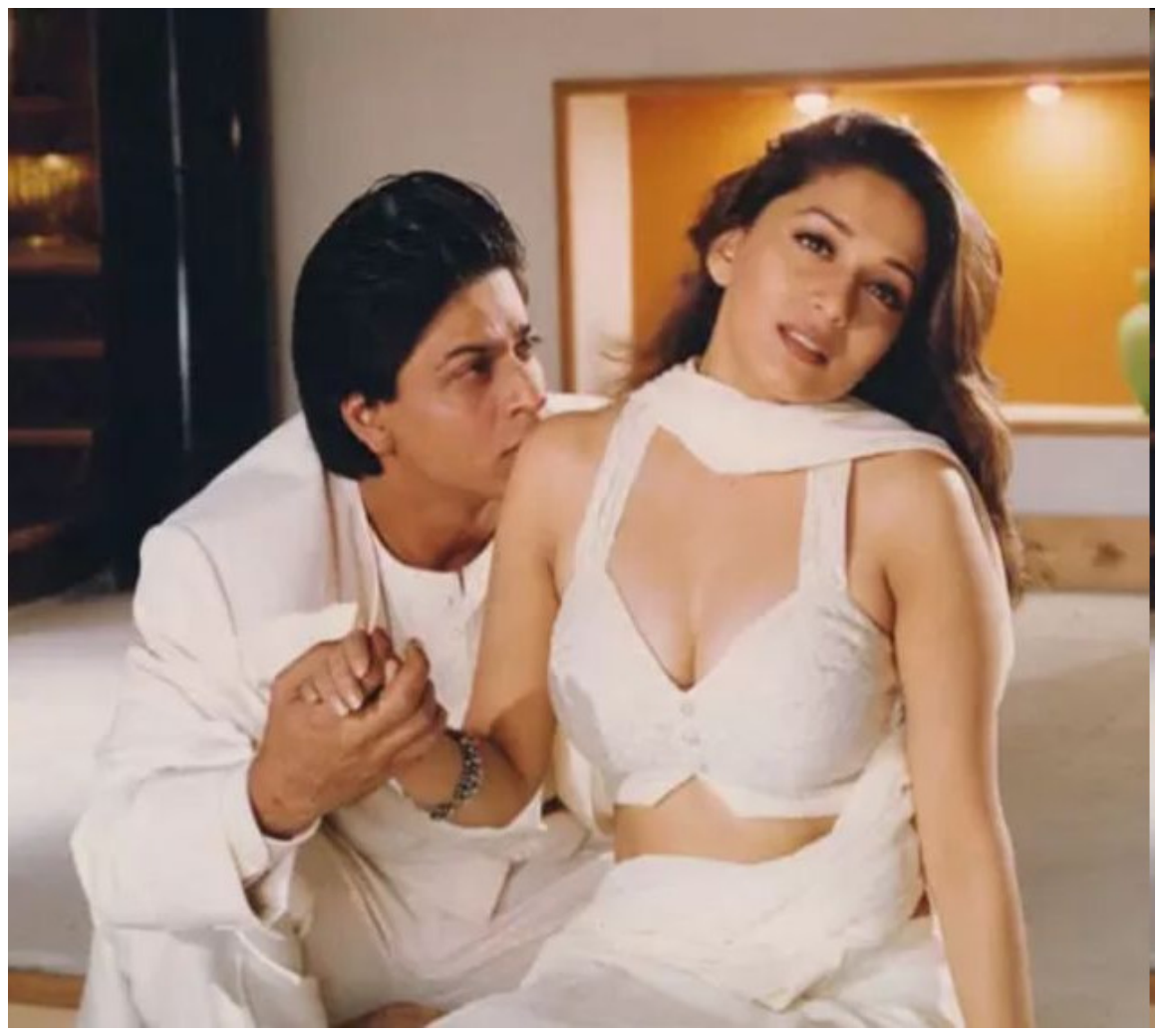

If we talk about the veteran actresses of Hindi cinema, then Madhuri Dixit's name is definitely included in it. Madhuri is the actress of the 90s who has changed the entire style of Bollywood. Her dance, bold beauty and style always remained in the discussion. Let us know when Madhuri Dixit's stylish trend has been fiercely followed by the fans. 90s veteran actress Madhuri Madhuri Dixit's style was followed a lot Madhuri is famous for these movies Madhuri Dixit started her acting career with director Hiren Nag's film Abodh in 1984. Madhuri, who has spent more than 4 decades in Hindi cinema, is still among the top actresses. Not only this, in the 90s, she was considered a guarantee of hit films. Madhuri has been an actress of that league, who has changed the view of the film world with her amazing acting and style in the era of male-dominated actors. Let's know which stylish trends of Madhuri Dixit were followed a lot. Madhuri's dance- While actresses were becoming popular for their beauty in the 1990s, Madhuri was standing out from everyone with her talent of amazing dance moves apart from beauty and acting. In that era, there was no other actress other than Madhuri who could dance brilliantly in films. Her excellent dance in the song Ek Do Teen in Anil Kapoor starrer film Tezaab brought a new revolution in Hindi cinema and other actresses started focusing on dance apart from acting. Unique hairstyle- In that era, there were many actresses like Madhu and Karisma Kapoor, who were known for their unique hairstyles. But to compete with them, Madhuri adopted a new hairstyle, which became the favorite of girls in no time. It is said that at that time every third girl followed a hairstyle like Madhuri. New trend of outfits- In the film Dil To Pagal Hai, Madhuri Dixit mostly wore sleeveless salwar suit type dress. After this, similar outfits came in abundance in the market and girls started wearing outfits like her. It was Madhuri's charm, which made sleeveless salwar suit a trending outfit. Madhuri's 10 kg lehenga Madhuri Dixit is well known for Shah Rukh Khan starrer film Devdas. In this movie, she played the memorable character of Chandramukhi. Apart from this, in the film, she carried a heavy lehenga weighing 10 kg, on which mirror work was done. Let us tell you that after this, the demand for this lehenga of Madhuri started increasing in the market and most of the girls started wearing similar lehenga for marriage. Apart from this, the jewellery worn by Madhuri in this movie was also much talked about.

Bollywood in herd mentality! Are the audiences getting bored of Hindi films due to lack of uniqueness and creativity?

In the last few years, questions have been raised repeatedly about Bollywood. Is Bollywood losing its creativity? With time, is the herd mentality dominating Hindi cinema so fast that the audiences are also getting bored? Cinema has changed a lot since then. The whole game has started revolving around the box office. The audience is getting inclined towards regional cinema. The lack of uniqueness in Bollywood is dimming the charm. Bollywood actors are also targeting the herd mentality. Hindi cinema, which is called Bollywood, is the second largest film industry after Hollywood. This cinema has been famous for its different types of songs, dances and dialogues-story. It has been entertaining the Indian audience for more than 100 years. But now its craze is getting lost somewhere. There was a time when Bollywood films were known for their unique style. Be it romantic, social or action, every genre had a newness along with grandeur which forced the audience to come to the theatres every Friday. But in recent years, there is a lack of uniqueness. Bollywood following the herd mentality? Movies are being made but by following the trend. If an action movie becomes a hit, then immediately ten more similar movies come in the pipeline. If a horror-comedy becomes a hit, then countless movies start being made on the same pattern and in the last few years this has become a stigma of Bollywood and people are raising questions whether Hindi cinema has become a part of the herd mentality. Is there pressure of box office? Today Bollywood is not running in the race of making good movies, but in the race of box office collections. The box office pressure on filmmakers is so much that they have started using the pattern of hit movies for fear of their movies being flops. But where is the creativity? If this is not herd mentality, then what is it? Randeep Hooda taunted Recently, Jat actor Randeep Hooda had highlighted this problem in a recent interview. In a conversation with Indian Express, he said- There is a complete herd mentality in the film industry. If one thing works, then similar things start getting made. Everyone wants to make the same. Now everyone wants to make horror-comedy after Stree. Is dependence on stars becoming an obstacle? There was a time when importance was given to films and its characters. Actors were not cast just because they are big stars? Today star power has increased so much that films are made without a unique story or concept and promotions are done in their name. So that even if the name of the film does not earn money, tickets will be sold on the basis of stardom. Due to this, many good artists do not get a chance. Well, today's audience is also very smart. They have become the biggest critics on social media. They are questioning the originality of Bollywood and are turning towards regional films. Has OTT increased the expectations of the audience? Ever since OTT has come, the audience has also become a big critic. Now, on OTT, all the spices like action, romance, thrill, suspense are available, that too in different styles, in new actors… so why should they go to the cinema to waste money on old worn-out stories. Now the audience is going to the cinema only when they are getting newness in the story or the films are being made out of the box, not great sets, big stars and loud music. They want a strong story, strong characters and a great experience, not sequel after sequel. The growing craze of regional cinema- It is not that everyone in Hindi cinema is following the herd mentality. There are some artists who are maintaining uniqueness by breaking away from the box, but their number is very less. Some are saying goodbye to Bollywood and leaning towards regional cinema. For some time now, South films have been competing with Bollywood, be it in story or box office collection. Therefore, if Bollywood wants to regain the trust of the audience, then they will have to bring some novelty or uniqueness in their films. They will have to bring such concepts in the films that will blow their minds. If this herd mentality continues, then the day is not far when the audience will completely turn away from Bollywood and the Indian film industry will become just a faded memory.